हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शनिवार • 04.07.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 337 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

वित्तीय अनुशासन में झारखंड ने मारी बाजी

नीति आयोग के फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में 'अचीवर' राज्य के रूप में उभरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नीति आयोग द्वारा वर्ष 2026 में जारी वित्तीय वर्ष 2023-24 के फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के टॉप 3 राज्यों में अपनी जगह बनाई है। राज्य को अचीवर श्रेणी में शामिल किया गया है, जहां उसने ओडिशा और गोवा जैसे राज्यों के साथ मजबूती से स्थान हासिल किया है। झारखंड की इस उपलब्धि के पीछे मजबूत वित्तीय अनुशासन, संसाधन जुटाने की क्षमता और संतुलित खर्च प्रबंधन प्रमुख कारण रहे हैं। राज्य ने अपने कुल राजस्व में टैक्स से होने वाली आय का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक बनाए रखते हुए रेवेन्यू मोबिलाइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। साथ ही नॉन-टैक्स रेवेन्यू बढ़ाने के प्रयास भी सफल रहे हैं। वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में भी झारखंड ने समझदारी का परिचय दिया है। राज्य ने अपने फिस्कल डेफिसिट को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के निर्धारित 3 प्रतिशत से नीचे बनाए रखा, जो वित्तीय अनुशासन का स्पष्ट संकेत है। विकासोन्मुखी खर्च पर ध्यान देते हुए राज्य सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडिचर को जीएसडीपी के लगभग 4 से 5 प्रतिशत के स्तर पर बनाए रखा है, जिससे आधारभूत संरचना और दीर्घकालिक विकास को मजबूती मिली है। इसके अलावा, झारखंड ने कर्ज प्रबंधन में भी संतुलन बनाए रखा है। राज्य का कुल कर्ज जीएसडीपी के 25 प्रतिशत से कम है और ब्याज भुगतान का बोझ भी नियंत्रित रखा गया है, जो वित्तीय स्थिरता का प्रमाण है। विशेषज्ञों का मानना है कि झारखंड का यह प्रदर्शन न केवल राज्य की वित्तीय सुदृढ़ता को दर्शाता है, बल्कि आने वाले वर्षों में विकास की मजबूत नींव भी तैयार करता है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लौटाई सरकारी सुरक्षा, कारकेड की गाड़ियां भी वापस कीं

रांची : झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपनी सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों को वापस कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा कारकेड में शामिल तीन बोलेरो वाहन भी संबंधित विभाग को लौटा दिए हैं। फिलहाल वह बिना सुरक्षा गार्ड के ही आवागमन कर रहे हैं। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वित्त मंत्री की सुरक्षा में 16 कमांडो और स्पेशल ब्रांच के तीन पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सुरक्षा कर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था में उपयोग होने वाला वाहन भी उन्होंने वित्त विभाग को वापस कर दिया है। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हालांकि, डीजीपी के अगले आदेश तक सुरक्षा कर्मी मंत्री के सरकारी आवास पर तैनात रहेंगे, लेकिन मंत्री ने उन्हें अपने साथ चलने से मना कर दिया है। ऐसे में फिलहाल वह बिना किसी सुरक्षा घेरे के ही यात्रा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पूरे घटनाक्रम की शुरूआत 29 जून को डीजीपी तदाशा मिश्रा को लिखे गए एक पत्र से हुई। मंत्री ने पत्र में सुरक्षा कर्मियों के साथ चलने के लिए एक अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। बताया जा रहा है कि तीन दिनों तक इस संबंध में कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए अपनी सुरक्षा वापस करने का निर्णय ले लिया। मंत्री के इस कदम को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, इस संबंध में सरकार या पुलिस मुख्यालय की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

एक नजर

घर बैठे अगले छह महीनों तक फ्री में अपडेट करें आधार

नयी दिल्ली : दूरदराज के क्षेत्रों के निवासी अब घर बैठे आसानी से अपने आधार कार्ड में ईमेल, मोबाइल नंबर, पता समेत अन्य अपडेट कर सकेंगे। एक जुलाई से शुरू हुई यह सुविधा अगले छह महीने तक नि:शुल्क रहेगी। प्रथम दो दिनों में 25 लाख से अधिक लोगों ने अपने ईमेल अपडेट करवाए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने यह पहल एक जुलाई से शुरू की। इससे निवासियों के लिए अपनी आधार जानकारी को अपडेट करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। मंत्रालय के मुताबिक जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया नया आधार ऐप लोगों को अपने स्मार्टफोन से ही मोबाइल नंबर अपडेट और पता अपडेट सहित कई सेवाओं का आसानी से लाभ उठाने में सक्षम बना रहा है। अब तक 40 लाख से अधिक लोगों ने नए आधार ऐप का उपयोग करके अपने मोबाइल नंबर अपडेट किए हैं। वहीं, लगभग 10 लाख लोगों ने इस ऐप का उपयोग करके अपना पता भी अपडेट किया है। यह पहल डिजिटल इंडिया के अंतर्गत विकसित भारत की दिशा में लोगों के अनुकूल डिजिटल सेवा प्रदान करने के लिए यूआईडीएआई की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

महंत नृत्य गोपाल को देखने पहुंचे योगी

लखनऊ : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और मणिरामदास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास का हालचाल जानने के लिए शुक्रवार को योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती महंत का हालचाल जाना और उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से उन्हें जल्द पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो। महंत नृत्य गोपाल दास का उपचार इन दिनों मेदांता अस्पताल में चल रहा है।

सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये मंजूर

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए 52 हजार करोड़ रुपये से हथियार खरीदने को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में यह स्वीकृति मिलने से हथियार खरीदे जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग' भारतीय सेना की युद्धक क्षमता बढ़ाएगी। सक्रिय सुरक्षा प्रणाली टैंकों की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और काफी समय तक उनकी क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगी। डीएसी की बैठक में रक्षा बलों के लिए लगभग 52 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। भारतीय सेना के लिए मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली 'आकाश तरंग', मानव-चालित टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइल (एमपीएटीजीएम) प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) हथियार प्रणाली, बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वी-शोराड्स), टैंकों के लिए सक्रिय सुरक्षा प्रणाली और जेट आधारित कामिकेज ड्रोन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी।

बलूचिस्तान में गहरी खाई में गिरी बस महिलाओं और बच्चों समेत 40 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में आज क्वेटा से पेशावर जा रही बस झोब और डेरा इस्माइल खान के बीच डाना सर इलाके में गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह हाल के वर्षों में इस इलाके की सबसे घातक सड़क दुर्घटना है। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने हादसे की पुष्टि की है। जियो न्यूज और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के प्रवक्ता रिंद ने कहा कि जिला अधिकारी, बचाव एजेंसियां और अन्य संबंधित विभाग राहत कार्य में जुटे हैं। जिला उपायुक्त शेरानी वली काकर ने कहा कि ऊबड़-खाबड़ इलाका होने के कारण बचाव दलों को दुर्घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि बलोचिस्तान के नजदीकी अस्पतालों में आपातकाल घोषित किया है। अधिकारियों ने बताया कि बस के ब्रेक फेल होने की आशंका है। मृतकों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेजा जा रहा है। रिंद ने कहा कि बचाव अभियान में बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा टीमों को लगाया गया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक बस में क्षमता से ज्यादा यात्री सवार थे। रिंद के अनुसार मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पूरी जांच के बाद इस दुखद घटना से जुड़ी बातें सार्वजनिक की जाएंगी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को बेहतर चिकित्सा देखभाल की जाए। उन्होंने कहा कि पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

छह दिन तक चलेगा खामेनेई का अंतिम संस्कार दो करोड़ लोग, 30 देशों के प्रतिनिधि शामिल

एजेंसी

तेहरान : ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया 4 जुलाई से शुरू होगी और उनके गृहनगर पवित्र शहर मशाद में नौ जुलाई को दफनाने के साथ खत्म होगी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। खामेनेई के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया 4 जुलाई से शुरू होगी और उनके गृहनगर पवित्र शहर मशाद में नौ जुलाई को दफनाने के साथ खत्म होगी। जानकारी के मुताबिक इस दौरान करीब दो करोड़ लोग वहां मौजूद होंगे, जिसमें 30 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। यह सबकुछ छह दिन तक चलेगा।

अंतिम संस्कार की रस्में, दक्षिणी तेहरान के पवित्र शहर कौम में भी होंगी। बता दें कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के दौरान खामेनेई की मौत हो गई थी। दोनों देशों के बीच फिलहाल शांति बहाल है और युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत चल रही है। अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में, 4 जुलाई से शुरू होंगी। इस दिन खामेनेई का ताबूत तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में रखा जाएगा। इस दौरान ईरान की आम जनता, उनके दर्शन करेगी। इसके बाद छह जुलाई को तेहरान की गलियों में खामेनेई की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा इस दिन पवित्र शहर कौम पहुंचेगी। यह शहर तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में करीब 140 किमी दूर है। कौम शहर, शिया इस्लामिक विद्वानों का एक अहम सेंटर माना जाता है। इसके बाद अंतिम यात्रा पहुंचेगी दो अन्य ऐतिहासिक और पवित्र शहरों, नजफ और कर्बला में। यह दोनों शहर इराक के पड़ोस में हैं। अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का यह अंतिम दिन होगा। इस दिन उन्हें मशाद के इमाम रेजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। यह खामेनेई का गृहनगर भी है। ईरान सरकार का आकलन है कि शनिवार से राजधानी की सड़कों पर करीब दो करोड़ लोग उतरेंगे। यह दृश्य 1989 में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्ला खुमैनी के अंतिम संस्कार जैसा हो सकता है। इससे खासकर ऐसे समय में ईरान सरकार का मनोबल बढ़ाने में मदद मिल सकती है, जब वह युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत में होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मुजतबा खामेनेई अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे या नहीं।

पाकिस्तान की धमकियों पर भारत का जवाब 'आतंकवाद के कारण रुकी है सिंधु जल संधि'

एजेंसी

नयी दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को खत्म कर दिया था। पाकिस्तान की तरफ से इस मुद्दे को लेकर लगातार भारत को धमकियां दी जा रही हैं। शुक्रवार को इन्हीं धमकियों का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भारत का रुख हमेशा एक जैसा है। उन्होंने कहा कि यह संधि पाकिस्तान की तरफ से जारी आतंकवाद की वजह से रुकी हुई है। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, सिंधु जल संधि पर भारत का रुख साफ और स्थिर है। पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को लगातार बढ़ावा देने के कारण IWT (सिंधु जल संधि) अभी रुकी हुई है। पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन भरोसेमंद और पक्के तौर पर छोड़ना होगा। बता दें, इस संधि के तहत भारत, पाकिस्तान को काफी ज्यादा मात्रा में पानी देता था। पाकिस्तान की कृषि का एक बड़ा हिस्सा इसी संधि के तहत पाकिस्तान जाने वाले पानी पर केंद्रित है। ऐसे में अब जब संधि खत्म हो गई है, तो आर्थिक रूप से डूब रहे पाकिस्तान को चिंता सताने लगी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब भारत ने सिंधु जल संधि को खत्म करने का ऐलान किया, तो पाकिस्तान की तरफ से धमकियों का एक दौर शुरू हो गया। बिलावल भुट्टो ने भारत को धमकी देते हुए कहा था कि अगर सिंधु में पानी नहीं बहा, तो खून बहाया जाएगा। हाल ही में शहबाज सरकार के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस जल संधि को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला था। उन्होंने कहा था उनकी सरकार इस मुद्दे पर भारत के साथ लड़ाई भी कर सकती है। इसके अलावा पाकिस्तान के जलवायु मंत्री ने भी भारत को हाथ काटने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल का नियंत्रण है। उनका कहना है कि वह पाकिस्तान की ओर पानी की एक बूंद भी नहीं बहने देंगे।

गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी; जैश-ए-मोहम्मद के आठ संदिग्धों को दबोचा

एजेंसी

गुजरात : गुजरात एटीएस ने बताया कि गिरफ्त में आए सभी 8 आरोपियों के खिलाफ यूएपीए की धारा 13, 17, 18, 38, 39 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 148 और 61 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी; जैश-ए-मोहम्मद के 8 संदिग्धों को दबोचा, इन दो राज्यों से हुई गिरफ्तारी गुजरात एटीएस (एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड) ने आतंक के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए गुजरात और मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी गुजरात में आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए जैश-ए-मोहम्मद का सक्रिय नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे थे। इस बारे में जानकारी देते हुए गुजरात एटीएस ने बताया कि इन सभी 8 आरोपियों के खिलाफ यूएपीए की धारा 13, 17, 18, 38, 39 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 148 और 61 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एटीएस ने बताया कि आरोपियों की पहचान अहमद, पिता अब्दुल्ला गाजीवाला, इब्राहिम घाघा, पिता मोहम्मद हुसैन घाघा, मुदस्सिर, पिता अब्दुल्ला गाजीवाला, जकारिया दुरार्नी, पिता मोहम्मद अम्मार घाघा, मुफ्ती फौजान, पिता इस्माइल दौवा, मोहम्मद अमीन शेरा, मोहम्मद अब्दुल, पिता रहमान सावदी और बिलाल मोहम्मद, पिता अम्मार घाघा के रूप में हुई है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण दोषियों को मिले कठोर दंड : आरएसएस

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसके दोषियों को कठोर दंड दिए जाने की मांग की है। संघ ने मंदिर की व्यवस्था संभाल रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को याद दिलाया कि हिंदू समाज की स्वाभाविक अपेक्षा है कि व्यवस्था एवं संचालन की कमियां दूर की जाएं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि राम मंदिर के दान पात्रों से जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा आहत हुई है। उन्होंने कहा कि संघ सहित संपूर्ण हिंदू समाज की न्यास से स्वाभाविक अपेक्षा है कि इस घोर निंदनीय घटना को असाधारण मान कर गंभीरता से लिया जाए और व्यवस्था एवं संचालन की सभी कमियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं। राम मंदिर पर करोड़ों रामभक्तों की आस्था एवं श्रद्धा अखंड एवं अटूट बनी रहनी चाहिए। वर्तमान की भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। होसबाले ने कहा, इस दृष्टि से हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वित्तीय प्रबंधन एवं सुचारू संचालन के लिए पारदर्शी व्यवस्था एवं शुद्धता और पवित्रता से परिपूर्ण धार्मिक वातावरण तैयार कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास हिंदू समाज की आस्था एवं विश्वास को सुदृढ़ बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि संघ संपूर्ण हिंदू समाज से भी आह्वान करता है कि इस कठिन क्षण में वह आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दे। साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के षड्यंत्रों को विफल करें।

राम मंदिर दान घोटाला: पिछले 5 साल के खातों का री-ऑडिट करेगी एसआईटी

अयोध्या : राम मंदिर दान चोरी मामले में एसआईटी ने अपनी जांच का दायर बढ़ा दिया है। एसआईटी अब एसआईटी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पांच वर्षों के खातों का फिर से ऑडिट करेगा क्योंकि प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का संकेत मिला है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पुन: ऑडिट में निर्माण-संबंधी व्यय के साथ-साथ दान के रूप में प्राप्त आभूषण और सोने तथा चांदी की अन्य वस्तुओं को भी शामिल किया जाएगा। प्रारंभिक जांच के दौरान सामने आए कथित गबन के सबूतों के बाद एसआईटी पूरे पांच साल के ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड की विस्तृत जांच करेगी। एक और घटनाक्रम में, अयोध्या पुलिस ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेने के बाद उससे पूछताछ की। इस मामले में दान की गिनती के काम में शामिल शुक्ला को पहले ही गिरफ़्तार किया जा चुका है और बृहस्पतिवार को एक स्थानीय अदालत ने उन्हें 24 घंटे की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुक्ला, जिनके पास से इस मामले में अब तक सबसे ज्यादा नकद राशि बरामद हुई है, के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई है।

चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मोदी की चुप्पी जनता के साथ विश्वासघात : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का पूरा श्रेय जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद लिया था तो आज चढ़ावे में चोरी की जिम्मेदारी भी उन्हीं को लेनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी जनता के भरोसे के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक बसोया ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में देश के सबसे गरीब मजदूर से लेकर उद्योगपति तक ने अपनी श्रद्धा के अनुसार मेहनत की कमाई दान की है। यह किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है। इस चोरी को भाजपा के नेता अपना अंदरूनी मामला बताकर दबा नहीं सकते। प्रधानमंत्री को तुरंत सामने आकर देश की जनता को इस महाघोटाले पर जवाब देना होगा। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास पर आरोप लगाते हुए कहा कि दान देने वालों से एक हलफनामे पर दस्तखत कराए जा रहे हैं, जिसमें साफ लिखा है कि दान मिलने के बाद न्यास उस पैसे या सामग्री का जैसे चाहे इस्तेमाल करे, दानदाता उस पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। न्यास यह जांचने की भी जहमत नहीं उठा रहा कि दान में आ रहा सोना-चांदी वैध है या अवैध और न ही उसकी कोई पक्की रसीद दी जा रही है। डॉ. नायक ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम का नाम इतना पवित्र है कि उसके उच्चारण मात्र से सारे पाप धुल जाते हैं, लेकिन कुछ अधार्मिक लोग उसी पावन नाम और आस्था के साथ छल कर रहे हैं।

एक नजर

5 व 6 को तेली साहू समाज संघर्ष समिति का संगठन विस्तार

बड़कागांव : बड़कागांव तेली साहू समाज संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और समाज की सामाजिक व राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 5 एवं 6 जुलाई को दो महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 5 जुलाई को सुबह 11 बजे बड़कागांव प्रखंड के महुगाई में वासुदेव साव एवं महेंद्र साहू के नेतृत्व में बैठक होगी, जिसमें संगठन का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। वहीं 6 जुलाई को सुबह 11 बजे हजारीबाग के पंच मंदिर परिसर में विकास साहू एवं नंदलाल साहू के नेतृत्व में बैठक आयोजित कर संगठन विस्तार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। कुंज बिहारी साव ने कहा कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने साहू समाज के वरिष्ठजनों, बुद्धिजीवियों, युवाओं एवं महिलाओं से बैठक में उपस्थित होकर विभिन्न पदों के लिए नामांकन करने तथा संगठन की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही समाज के अधिकार, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित कर सकता है।

भौतिक सत्यापन के बावजूद लाभुकों को नहीं मिल रहा मंईयां सम्मान योजना का लाभ

बरही : मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को बीते कई महीनों से राशि नहीं मिलने से लाभुक परेशान है। लाभुकों का सत्यापन होना था, जो 20 मई 2026 से पहले पूरा हो गया। लेकिन अब तक राशि का भुगतान नहीं हो सका है। लाभुक बैंक से लेकर सरकारी कार्यालयों तक के चक्कर लगाने को मजबूर है। ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों महिलाएं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार इस सहायता राशि पर निर्भर है। लेकिन बीते कई माह से राशि नहीं मिलने पर लाभुकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कई लाभुकों का कहना है कि घरेलू जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक खर्चों के लिए यह राशि महत्वपूर्ण सहारा देती है। भुगतान में हो रही देरी से आर्थिक संकट गहरा गया है, मईया सम्मान योजना के लाभुकों की सत्यापन की जिम्मेवारी आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं पंचायत सचिव सहित अन्य कर्मियों को दी गई थी। बरही प्रखंड में करीब 12,500 लाभुकों ने योजना के लाभ के लिए भौतिक सत्यापन के लिए आवेदन दिया गया। भौतिक सत्यापन में लगे आगनबाड़ी सेविका एवं पंचायत सचिवों ने सत्यापन संबंधी दस्तावेज प्रखंड कार्यालयों में जमा कर दिया गया है।

प्रतिबंध के बावजूद जारी है मांगुर मछली का कथित अवैध कारोबार, सख्त कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : राष्ट्रीय राजमार्ग-19 जीटी रोड पर प्रतिबंधित मांगुर मछली के कथित अवैध कारोबार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाम ढलते ही पश्चिम बंगाल से पिकअप व अन्य छोटे मालवाहक वाहनों में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित मांगुर मछली लोड कर झारखंड-बिहार बॉर्डर होते हुए बिहार समेत अन्य राज्यों में भेजी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय है और रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बेखौफ तरीके से कारोबार संचालित किया जा रहा है। यह भी आरोप है कि संबंधित विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से कारोबारियों के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं। इस कथित अवैध कारोबार का मुद्दा वर्ष 2025 में झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भी उठ चुका है। बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव ने सदन में सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा था कि पश्चिम बंगाल से झारखंड-बिहार बॉर्डर होते हुए बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित मांगुर मछली की तस्करी की जा रही है। छोटे वाहनों के साथ साथ बस में ड्रम में लोड़कर मांगुर मछली की तस्करी की जा रही है। उन्होंने सरकार से नियमित जांच अभियान चलाने, चेकपोस्टों पर निगरानी बढ़ाने तथा इस कारोबार में संलिप्त लोगों और लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की थी। सरकार की ओर से आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस बदलाव देखने को नहीं मिला है। जानकारों के अनुसार पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जलीय जैव विविधता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मांगुर मछली की कुछ विदेशी प्रजातियों के पालन, परिवहन और व्यापार पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद अधिक मुनाफे के लालच में नियमों की अनदेखी कर यह कारोबार जारी रहने की शिकायतें मिल रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि झारखंड-बिहार बॉर्डर और जीटी रोड पर नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जाए, चेकपोस्टों पर निगरानी और सख्ती बढ़ाई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि इस कथित अवैध नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। हैरानी की बात है पुलिस प्रशासन सब जान के भी अनजान है। पेट्रोलिंग गाड़ियां जीटी रोड में गश्त लगाते देखे जा सकती है लेकिन उनकी नजर अब तक मांगुर मछली ले जाती वाहनों पर नहीं पड़ी है। अगर पड़ती तो शायद यह तस्करी कब के बंद जाती है। लेकिन पर्यावरणविद इस मामले को गभीरता से ले रहे हैं। यदि अविलंब इसकी तस्करी नहीं रुकी तो जन आंदोलन को बाध्य हो जायेंगे।

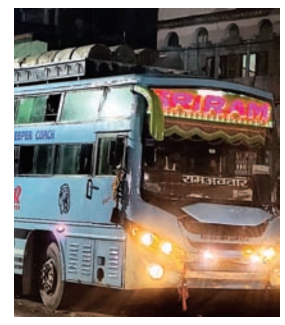

मानसून की सुस्ती से धान की खेती पर संकट, बारिश के इंतजार में किसान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव मानसून की सुस्ती और निरंतर वर्षा नहीं होने के कारण बड़कागांव प्रखंड के किसानों के सामने धान की खेती का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। खेतों में पर्याप्त पानी नहीं होने से किसान धान की नर्सरी (बिचड़ा) तैयार नहीं कर पा रहे हैं। इससे खरीफ सीजन की सबसे महत्वपूर्ण फसल धान की खेती प्रभावित होती नजर आ रही है।बड़कागांव प्रखंड के कई गांवों में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। सामान्य दिनों में इस समय तक धान का बिचड़ा तैयार हो जाता है और खेतों में रोपाई की तैयारियां शुरू हो जाती हैं, लेकिन इस वर्ष बारिश नहीं होने के कारण खेत सूखे पड़े हैं। जलस्रोतों का जलस्तर भी कम हो गया है। जिससे सिंचाई की व्यवस्था करना किसानों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान की खेती बुरी तरह प्रभावित होगी। देर से बिचड़ा तैयार होने पर रोपाई भी विलंब से होगी, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा। इससे किसानों की आय घटने की आशंका बढ़ गई है। कई किसानों ने बताया कि उन्होंने बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री पर पहले ही खर्च कर दिया है, लेकिन खेतों में पानी के अभाव में सारी तैयारियां अधूरी पड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे और सीमांत किसानों की परेशानी सबसे अधिक बढ़ गई है। जिन किसानों के पास निजी सिंचाई की सुविधा नहीं है, वे पूरी तरह प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर हैं।

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खेरौन में शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, खेरौन में शुक्रवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने की, जबकि संचालन प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास ने किया। बैठक में विद्यालय के शैक्षणिक एवं विकासात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान अभिभावकों से बच्चों के स्वाध्ययन में सहयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्कूल स्कोर कार्ड, विद्यालय सर्टिफिकेशन, विद्यालय परिसर के आसपास मादक पदार्थों एवं नशाखोरी की रोकथाम, पोक्सो अधिनियम, रेल परियोजना, रेमेडियल कक्षाएं, लर्निंग आउटकम, लैंगिक समानता, विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाएं, निपुण भारत मिशन में विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका, एफएलएन गतिविधियां, बाल सुरक्षा, खेलकूद में भागीदारी तथा प्रथम त्रैमासिक शैक्षिक उपलब्धियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि विद्यालय से संबंधित अधिकांश समस्याओं का समाधान कर लिया गया है। अब अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को प्रतिदिन समय पर, साफ-सुथरे एवं नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना विद्यालय की जिम्मेदारी है। प्रधानाध्यापक तुलसी कुमार दास ने कहा कि यदि अभिभावक अपने बच्चों को एक स्मार्ट स्टूडेंट बनाना चाहते हैं तो उन्हें स्वयं भी एक जागरूक और स्मार्ट पेरेंट की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय के प्रत्येक शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया, ताकि बच्चों का भविष्य बेहतर बनाया जा सके।

झामुमो नेता सह पूर्व जिला परिषद उम्मीदवार ने नयाटांड मंडा मेला का फिता काटकर किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड का सबसे चर्चित तथा इस वर्ष की अंतिम मंडा पूजा नयाटांड़ में संपन्न हो गया। भक्तों ने गुरुवार रात्रि दहकते हुए अंगारों पर चलकर तथा शुक्रवार सुबह नुकूली किल लगवाकर 51 फीट ऊंचे लट्ठे पर परिक्रमा कर अपनी भक्तिमय का परिचय दिया। वहीं भक्तियों में नयाटांड के आसपास के दर्जनो भक्तों शामिल हुआ। सर्वप्रथम नयाटांड बनस मेला सह जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा हजारीबाग जिला उपाध्यक्ष, उरीमारी विस्थापित नेता सह बड़कागांव पूर्वी जिला परिषद पूर्व प्रत्याशी संजय करमाली ने फीता काटकर मंच का उद्घाटन किया। वहीं श्री करमाली ने मंच से अपने संबोधन में कहा की मंडा पूजा मेला लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है तथा पारंपरिक संस्कृति सभ्यता को संरक्षित करने का एक सुनहरा अवसर मिलता है। वहीं लोगो से कहा की प्रत्येक वर्ष शांतिपूर्वक मंडा पूजा मनाते रहे। वहीं मेले का आयोजक नयाटांड मंडा पूजा समिति तथा मंच का संचालन शिक्षक विनोद कुमार महतो के द्वारा किया गया। मौके पर मुख्य रूप से मंडा पूजा समिति अध्यक्ष केदार प्रसाद दांगी, उपाध्यक्ष सतीश दास, सचिव पोखन राणा, कोषाध्यक्ष महेश सिंह राजपूत,मनोरंजन मंत्री मुरली महतो, दीपक नायक, इंद्रदेव नायक, रूदेश नायक,पप्पू कुमार, तुलेश्वर राम, राजकुमार करमाली, जगतपाल ठाकुर, उपमुखिया विजय राम इत्यादि दर्जनो लोग उपस्थित थें।

सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने पुस्तकालय भवन का किया निरीक्षण, जल्द होगा उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग सदर अनुमंडल पदाधिकारी प्रशिक्षु आईएएस आदित्य पांडे ने बड़कागांव थाना रोड स्थित पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान पुस्तकालय की विधि व्यवस्था को सुचारू रूप से रखने के लिए अंचलाधिकारी मनोज कुमार को चौकीदार नियुक्त करने का निर्देश दिया गया । इस दौरान एसडीओ ने बारीकी से पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया एवं जो भी कमियां है उसे शीघ्र दूर करने का सख्त निर्देश दिया । बताया जा रहा है कि एक सप्ताह के अंदर पुस्तकालय भवन का उद्घाटन किया जाएगा। वही उधर एसडीओ ने हरली गांव में बन रहे डिग्री कॉलेज भवन निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। मौके परमौके पर मुख्य रूप से एसडीएम आदित्य पांडे, प्रशिक्षु आईएएस पूर्वा अग्रवाल, बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, सीओ मनोज कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, रामलखन महतो, रंजीत नाग, संदीप सिंह के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

रोमांचक मुकाबले के बाद तमय की टीम बनी चैंपियन कमलवार रही उपविजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत केसठ गांव में 5 स्टार क्लब द्वारा आयोजित लाठी-भाला खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी जीतू यादव ने फीता काटकर एवं स्वयं लाठी खेलकर किया। इस अवसर पर आयोजन समिति एवं ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए जीतू यादव ने कहा कि खेल युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वासी बनाते हैं, जबकि शिक्षा जीवन में सफलता की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने युवाओं से खेल और पढ़ाई दोनों में समान रूप से रुचि लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में कुल छह टीमों ने भाग लिया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में तमय (तिलैया) की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में फ्रिज प्रदान किया गया। वहीं कौमी एकता क्लब, कमलवार की टीम उपविजेता रही, जिसे कूलर देकर सम्मानित किया गया। तीसरे स्थान पर ढाब थाम की टीम रही, जिसे रेंजर साइकिल पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अफसर, नियाजुल, मोवाज्जम सहित आयोजन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

विभावि के पूर्ववर्ती छात्रों ने बढ़ाया विश्वविद्यालय का मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विभावि के योग केंद्र के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर आयोजित झारखंड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में निर्णायक की भूमिका को सफलता के साथ अदा किया। इस प्रकार इन्होंने विश्वविद्यालय तथा हजारीबाग जिले का गौरव बढ़ाने का कार्य किया। नेतरहाट की खूबसूरत वादियों के बीच में अवस्थित प्रसिद्ध नेतरहाट पब्लिक स्कूल के भव्य परिसर में आयोजित उक्त प्रतियोगिता का आयोजन सत्र 2026-27 के लिए जून माह के अंतिम सप्ताह में किया गया था। शुक्रवार को हजारीबाग लौटने पर दल के सदस्य श्रीमती वर्षा दे ने बताया की हजारीबाग से विनीत सिंह, सुरभी सिंह तथा रखी सिन्हा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तकनीकी अधिकारी सह निर्णायक की भूमिका में रहे। ज्ञात हो कि यह सभी हजारीबाग जिला योगासन स्पोर्ट्स इकाई से जुड़े हुए हैं। विनीत सिंह हजारीबाग इकाई के सचिव हैं तथा सुरभी सिंह सह सचिव के दायित्व में है। अभी कुछ ही महीना पहले पतरातू में आयोजित सात दिवसीय निर्णायक प्रशिक्षण शिविर में इन लोगों ने सफलतापूर्वक भाग लिया था। अब यह लोग भारत में सभी स्तर के योग प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका में अपनी सेवा देने के लिए अर्हित हैं। बताते चले कि झारखंड योगासन स्पोर्ट्स को झारखंड ओलंपिक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त है। श्रीमती वर्षा ने आगे बताया कि उक्त प्रतियोगिता के 28 से 35 वर्ष आयु वर्ग में पारंपरिक योगासन में प्रीतम सिंह ने पूरे राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार सब जूनियर आयु वर्ग के कलात्मक एकल योगासन में समीर कुमार सिंह को द्वितीय स्थान तथा जूनियर आयु वर्ग के कलात्मक एकल योगासन में राजकुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त कर हजारीबाग को ख्याति दिलाई।

संक्षिप्त खबरें

बरही कांग्रेस कार्यालय में नवमनोनीत जिला पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

बरही : बरही स्थित कांग्रेस प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को नवमनोनीत जिला पदाधिकारियों के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। जानकारी के अनुसार, बरही प्रखंड से डॉ. निजामुद्दीन अंसारी को जिला उपाध्यक्ष, संतोष रजवार एवं दीपक गुप्ता को जिला महासचिव तथा सुनील कुमार, मो. जमीरउद्दीन और मनोज पासवान को जिला सचिव मनोनीत किया गया है। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष जेपी पटेल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने संगठन में सभी जाति, धर्म एवं वर्गों को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देकर कांग्रेस की समावेशी विचारधारा को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कार्यकताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करे, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। इस पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने अभियान में पूर्ण सहयोग का भरोसा जताया। कार्यक्रम में प्रखंड उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी मो. तौकीर रजा, मंडल अध्यक्ष विष्णुधारी महतो, बब्लू साहू, कार्तिक पासवान, मो. गुलजार, फिरोज निजामी, अब्दुल अंसारी, मुकेश पासवान, पंकज पासवान, रिजवान अली, इमरान सम्मी, सुनील रजक, मनोज कुमार, मौलाना मो. मोनाजिर, मनोज रविदास, युवा कांग्रेस बरही के उपाध्यक्ष फिरदौस खान, छोटी राम भुइयां, अर्जुन साव, अशोक बाड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसबीआई बड़कागांव ब्रांच के नए प्रबंधक ने किया पदभार ग्रहण

बड़कागांव : बड़कागांव हजारीबाग रोड स्थित संचालित एसबीआई बैंक में नए बैंक प्रबंधक चंदन कुमार महतो ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के पश्चात श्री चंदन ने बैंक कर्मियों के साथ मुलाकात कर परिचय प्राप्त कर स्थिति से अवगत हुए। इस दौरान बड़कागांव मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने बैंक प्रबंधक चंदन कुमार महतो को बुके देकर स्वागत किया। मौके पर प्रबंधक ने कहा कि बैंक से संबंधित किसी प्रकार की कोई भी कार्य हो, उसे और भी सुगमता के साथ पूरा किया जाएगा। आम उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट लेनदेन एवं दस्तावेज से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से पूर्व मुखिया भीखन महतो ,मुखिया अनिकेत नायक, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर एवं अन्य उपस्थित थे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हजारीबाग की भूमिका पर सेमिनार का किया गया आयोजन

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय बड़कागांव के हाल में इतिहास विभाग के द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया है। सेमिनार का विषय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हजारीबाग की भूमिका था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर ज्योति जलधार ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हजारीबाग के आदिवासियों में अद्वितीय और साहसी भूमिका निभाई। उनकी लड़ाई केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह जल जंगल जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए विदेशी सत्ता व शोषण के खिलाफ एक निरंतर विद्रोह थी। अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो ने किया इन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में विशेष कर 1857 के विद्रोह और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां के निवासियों और स्थानीय नेताओं ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ बढ़-चढ़कर संघर्ष किया जैसे 1942 के आंदोलन में आनंदित साहू का नेतृत्व रहा संचालन इतिहास विभाग के विभाग का अध्यक्ष डॉ सुरेश महतो ने किया एवं कहा कि बड़कू मांझी ने बड़कागांव के अंबा टोला के स्वतंत्रता सेनानी में से था। सरस्वती देवी के नेतृत्व में 26 जनवरी 1930 को यहां तिरंगा फहराया गया था। धन्यवाद ज्ञापन डॉ ललिता कुमारी एवं सभा समाप्ति का घोषणा की, उपस्थित शिक्षक डॉ निरंजन प्रसाद नीरज, प्रोफेसर फजरूद्दीन, प्रोफेसर नरेश कुमार दांगी, प्रोफेसर लालदेव महतो, डॉक्टर अनु कुमारी, डॉक्टर रंजीत प्रसाद ,डॉक्टर पवन कुमार ,नेमधारी राम, तनवीर कुमार, अनिता कुमारी ,छात्र-छात्राओं में आशीष कुमार, चंदन कुमार, निशांत कुमार,मोहम्मद जुनेद, रमेश, नींबू कुमारी, सुमन कुमारी ,प्रीति कुमारी आदि।

गुस्ताख ए रसूल नाजिया इलाही खान को गिरफ्तार करने की मांग, युवाओं ने किया पुतला दहन

बड़कागांव : सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को जुमा नमाज के बाद प्रखंड अंतर्गत ग्राम बादम में जामा मस्जिद के बाहर आक्रोशित मुस्लिम युवकों ने नाजिया इलाही खान का पुतला दहन किया और विरोध में नारे लगाए। इस दौरान युवाओं ने कहा के पैगंबर मोहम्मद साहब के संबंध में की गई टिप्पणी से एक मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म, महापुरुष या धार्मिक प्रतीकों के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल सामाजिक सौहार्द के लिए नुकसानदायक है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। युवाओं ने सरकार से मांग किया के जल्द से जल्द नाजिया इलाही खान को गिरफ्तार किया जाए। वही छवनिया मस्जिद के बाहर भी मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

सत्यमेव जयते
नागरिक उड्डयन मंत्रालय
भारत सरकार

क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी के एक नए दशक की शुरूआत

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

योजना के अगले चरण की शुरूआत

उड़ान

(उड़े देश का आम नागरिक)

लगभग रू. 29,000 करोड़ की लागत वाली योजना

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
के द्वारा

योजना की मुख्य विशेषताएं और लाभः

- रू.12,159 करोड़ की लागत से 100 नए हवाई अड्डों का विकास
- पहाड़ी और आकांक्षी जिलों में रू. 3,661 करोड़ की लागत से 200 हेलीपोर्ट का निर्माण
- एयरलाइन संचालन को सहयोग देने के लिए रू. 10,043 करोड़ की 'वायबिलिटी गैप फंडिंग' (VGF)
- सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और लगातार संचालन के लिए हवाई अड्डों को रू. 2,577 करोड़ का O&M (संचालन और रखरखाव) सहयोग
- स्वदेशी क्षेत्रीय विमानन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए HAL ध्रुव हेलीकॉप्टर और डॉर्नियर विमानों की खरीद
- क्षेत्रीय मार्गों पर टिकाऊ संचालन और किफायती हवाई यात्रा सुनिश्चित करना व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना; नई एयरलाइनों और विमानन स्टार्टअप्स के विकास के अवसर

इनकी गरिमामयी उपस्थिति में

श्री हरिभाऊ किसानराव बागड़े
(राज्यपाल, राजस्थान)

श्री भजन लाल शर्मा
(मुख्यमंत्री, राजस्थान)

श्री किंजरापु राम मोहन नायडू
(केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री)

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री

श्री मुरलीधर मोहोल
केंद्रीय राज्य नागरिकउड्डयन व सहकारिता मंत्री

शनिवार, 04 जुलाई, I 2026 सुबह 10:45 बजे I जोधपुर हवाई अड्डा, राजस्थान

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

CBC 03111/13/0003/2627

Follow us on:- @AAI_Official | @AirportsAuthorityOfIndiaOfficial | @aaiofficial | @AirportsAuthorityofIndia | @airportsauthorityofindia

समाहरणालय में जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न, दिये गए जरूरी दिशा-निर्देश

अवैध भ्रूण जांच केंद्रों की पहचान कर पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करें: उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत जिले के लिए 4,976 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरुद्ध अब तक 35 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है। उपायुक्त ने सभी पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

पोषण ट्रैकर के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकरण, आधार एवं मोबाइल सत्यापन, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता आईडी एवं अपार आईडी निर्माण, वीएचएसएनडी, सीबीई, एचसीएम, टीएचआर वितरण, गृह भ्रमण, मेजरिंग एफिशिएंसी, दैनिक मॉनिटरिंग तथा आधारभूत संरचना की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जयनगर एवं सतगावां परियोजनाओं का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम पाया गया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को प्रतिदिन डैशबोर्ड की निगरानी कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने तथा लापरवाही बरतने वाली सेविकाओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अंतर्गत जिले में 21,695 पात्र बालिकाओं का चिन्हांकन किया गया है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पात्र बालिकाओं के आवेदन समय पर प्राप्त कर उनका भुगतान शीघ्र सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिले के लिंगानुपात की भी समीक्षा की गई। विगत एक वर्ष के दौरान जिले में 6,605 बालकों एवं 5,731 बालिकाओं का जन्म दर्ज किया गया, जिससे 874 का अंतर सामने आया। उपायुक्त ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए अवैध भ्रूण जांच केंद्रों की पहचान कर पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया।

बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से योजनाओं का लाभ पहुँचाया जाए।

बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएं, जिला एवं प्रखंड समन्वयक, सी-3 तथा यूनिसेफ की टीम उपस्थित रही।

21 जुलाई को शिव वाटिका में होगा श्री जीण माता का भव्य मंगल पाठ, बैठक सम्पन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : श्री जीण माता परिवार की बैठक श्री अग्रसेन भवन, झुमरी तिलैया में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 21 जुलाई को शिव वाटिका में मां जीण माता का भव्य मंगल पाठ आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। यह भी बताया गया कि झुमरी तिलैया में सार्वजनिक रूप से पहली बार श्री जीण माता का मंगल पाठ आयोजित किया जा रहा है, जिसे लेकर राजस्थानी समाज में उत्साह का माहौल है।

बैठक की अध्यक्षता कैलाश चौधरी ने किया जबकि संचालन महेश दारुका ने किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए रमेश कन्दोई को संयोजक तथा दीपक दारुका, विपुल चौधरी, विवेक सहल को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संयोजक रमेश कन्दोई ने बताया कि मंगल पाठ में शामिल होने के लिए महिलाओं का पंजीकरण 15 जुलाई तक किया जाएगा। कार्यक्रम में 108 महिलाओं को मंगल पाठ में बैठने का अवसर मिलेगा और पहले पंजीकरण कराने वाली महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए सारिका लड्ढा, अन्नु संघई, श्रेया केडिया, काजल गुप्ता, सीमा सहल, मधु कन्दोई ,शालू चौधरी को परियोजना निदेशक बनाया गया है। इच्छुक महिलाएं इनसे संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकती हैं।

बैठक में बताया गया कि 21 जुलाई को शिव वाटिका में श्री जीण माता का भव्य दरबार सजाया जाएगा। कार्यक्रम में श्रृंगार, अखंड ज्योत, भजन-संध्या एवं मंगल पाठ का आयोजन होगा। मंगल पाठ का संगीतमय प्रस्तुतिकरण जमशेदपुर की सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री खुशी शर्मा द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अन्य जानकारियों के लिए अग्रवाल समाज, मारवाड़ी ब्राह्मण समाज एवं माहेश्वरी समाज के सामाजिक समूहों में लिंक साझा किया गया है, जिससे महिला एवं पुरुष सदस्य जुड़कर समय-समय पर आयोजन से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगले सप्ताह पुनः बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की विस्तृत तैयारियों एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा।

बैठक में अरविन्द चौधरी, चन्द्रशेखर जोशी, आशीष शर्मा, ममता बंसल, प्रियंका अग्रवाल, प्रगति चौधरी, निशा संघई, आकृति चौधरी, प्रिया अग्रवाल श्रिया चौधरी सहित अग्रवाल समाज, मारवाड़ी ब्राह्मण समाज एवं माहेश्वरी समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक सम्पन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : भारतीय जनता पार्टी कोडरमा द्वारा भारत के महान शिक्षाविद एवं जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती समारोह के सफल आयोजन को लेकर एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के 6 जुलाई को डोमचांच आगमन तथा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में बताया गया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का आगमन 6 जुलाई (सोमवार) को होगा। उनका मुख्य कार्यक्रम बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज, डोमचांच के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कोडरमा जिले के सभी मंडलों से बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे।भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर कार्यकताओं में काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष बनने के बाद उनका यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाया जाएगा।वहीं, डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष सह

भाजपा कोषाध्यक्ष उमेश वर्मा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम कोडरमा आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।नगर मंडल अध्यक्ष सुजीत कुमार ने कहा कि शहीदों की धरती डोमचांच प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि नगर क्षेत्र को भाजपा के झंडों और पोस्टरों से सजाया जाएगा तथा कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

कार्यक्रम के तैयारी के इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष संगीता सिन्हा , जिला महामंत्री नागेंद्र पाल ,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत , वरिष्ठ भाजपा नेता परमेश्वर यादव , सुनील सिन्हा , महेश वर्मा, विनय मोदी, निवर्तमान नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार, जिला आईटी सेल संयोजक प्रेमांशु कुमार, संजीव कुमार, हिमांशु कुमार, मौजूद रहे।

डोमचांच में ड्राइविंग लाइसेंस शिविर, 76 ने किया आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड सरकार एवं उपायुक्त, कोडरमा के निर्देश के आलोक में प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस शिविर के तहत शुक्रवार को डोमचांच प्रखंड कार्यालय में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में कुल 76 चालकों ने लर्निंग चालक अनुज्ञप्ति (लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस) के लिए आवेदन किया। ऑनलाइन ड्राइविंग टेस्ट में 28 अभ्यर्थी सफल रहे, जबकि 15 अभ्यर्थी असफल हुए। वहीं 33 आवेदकों का ऑनलाइन टेस्ट लिया जाना शेष है।

शिविर में जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, मोटर यान निरीक्षक जोसफ टोप्पो, प्रधान सहायक उदय शंकर बक्शी सहित कार्यालय कर्मी अकुल रंजन, अनिकेत कुमार, अम्मार, अभिषेक मरांडी एवं प्रेमकांत गुप्ता समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से आम लोगों को प्रखंड स्तर पर ही ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में वन महोत्सव सप्ताह कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के अरस्तु एवं विवेकानंद सदन के प्रशिक्षुओं एवं सभी सहायक प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न फलदार एवं औषधीय गुण वाले पौधें जैसे - आम, अमरूद, आंवला, चीकू आदि का रोपण किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहित कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि पौधरोपण मानव जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। हमे पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन हेतु अपने आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण अवश्य करना चाहिए है ।

पेड़ पौधे मानव जीवन के आधार है । वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण ही एक सशक्त समाधान है।

मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल पदाधिकारी सौरभ शर्मा ने सभी प्रशिक्षुओं को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी एड सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के सभी प्रशिक्षु हेमलता कुमारी, पूनम कुमारी, ज्योति कुमारी यादव, पूजा कुमारी, अंजली कुमारी, सोनिया कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रिया कुमारी, उर्मिला कुमारी, ललिता कुमारी, शोभा कुमारी विश्वकर्मा, अनिशा कुमारी, अंजली कुमारी, जायसवाल, संजीत कुमार, अनिल दास, सीताराम यादव, चुन्नु कुमार , बिनीता कुमारी, सहित सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी सूचित कुमार, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उक्त अवसर पर उपस्थित रहे।

नशेड़ियों, अड्डेबाजों और जुआरियों के नए ठिकानों को ढूंढेंगे प्रहरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने आम नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए "प्रहरी" अभियान शुरू किया था। इस अभियान के 02 महीने बाद इसके व्यापक और बेहतर परिणाम सामने आए हैं। नशेड़ी और जुआरी अपने अड्डे छोड़कर दूसरे ठिकानों तक पहुंच चुके हैं। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने अब उन्हें नए ठिकानों को चिन्हित करने की जिम्मेदारी पुलिस को दी है।

एसपी ने जारी किया नंबर

एसपी पैदल गस्ती, अड्डेबाजी के विरुद्ध अभियान और एंटी क्राइम चेकिंग से संबंधित सुझाव देने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9262998529 जारी किया है। उन्होंने आम नागरिकों से इस नंबर पर मैसेज कर सुझाव मांगे हैं, ताकि पुलिस जनता के और करीब आ सके।

शुक्रवार को एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि विशेष पहल प्रहरी के दौरान पुलिस लगातार अपराध नियंत्रण और उद्भेदन तो कर ही रही थी। इसके अलावा अड्डेबाजी, छेड़खानी, सड़क पर अवैध रूप से पार्किंग, यातायात व्यवस्था सुगम बनाने का भी ध्यान रख रही थी। क्षेत्र में भौतिक रूप से पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी से नागरिकों के बीच सुरक्षा की भावना बढ़ी है। एसपी रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर, चट्टी बाजार पहुंचे। वहां से उन्होंने रजरप्पा मोड तक खुद पैदल गश्त की। इस दौरान उनके साथ रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार भी मौजूद थे।

एसपी ने बताया कि 14 मई को रामगढ़ जिले में विशेष पहल के तहत प्रहरी की शुरूआत की गई थी। इस दौरान पैदल गश्ती के लिए 76 स्थल, अड्डेबाजी के विरुद्ध अभियान चलाने के लिए 114 स्थल, एंटी क्राइम चेकिंग के लिए 69 स्थान चिन्हित किए गए थे। कुल 259 स्थलों को चिन्हित कर वहां लगातार समय बदल बदल कर पुलिस पहुंची। अब उन स्थलों पर लोगों का जमावड़ा नहीं लग रहा है। इस अभियान को रामगढ़ जिले में जारी रखा जाएगा और पुलिस नए ठिकाने तलाशेगी।

एक नजर

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

कोडरमा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं, सुझाव एवं शिकायतें सुनीं। इस दौरान नागरिकों ने जमीन विवाद, घरेलू विवाद, चिकित्सा सहायता, प्रमाण पत्र निर्गत करने, आरटीई के तहत स्कूल में नामांकन, बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याएं, राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतें तथा जनहित से जुड़े आवेदन, ज्ञापन और मांगपत्र प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की नियमित समीक्षा करें तथा लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें।

डीएवी कोडरमा के दो पूर्व छात्र बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

झुमरी तिलैया : पीवीएसएस डीएवी पब्लिक स्कूल, कोडरमा के दो पूर्व छात्र हार्दिक अग्रवाल और अर्चा जैन ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने दोनों को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। प्राचार्य ने कहा कि उनकी सफलता मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है तथा वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। हार्दिक अग्रवाल और अर्चा जैन ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निरंतर मेहनत, आत्मविश्वास और समय प्रबंधन को सफलता की कुंजी बताया। समारोह में हार्दिक ने प्रेरणादायक गीत भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और दोनों के उज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

रामगढ़ : रामगढ़ शहर में शादी का झांसा देकर एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म करने, जबरन गर्भपात कराने तथा अश्लील वीडियो और फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेशी के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चतरा जिले से आरोपित विवेक कुमार को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कला प्रदर्शनी रिकॉर्ड प्रमाण समारोह का आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव के प्लस टू हाई स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को स्ट्रोमैक्स फाउंडेशन के तत्वाधान में ऐतिहासिक कला प्रदर्शनी एवं विश्व रिकॉर्ड प्रमाणन समारोह का आयोजन किया गया । इस समारोह में वर्ल्ड रिकॉर्ड मेडल चित्रित निमार्ता नंदनी कुमारी द्वारा मेडल के प्रदर्शनी की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि गुरुकुल के निदेशक जेपी जैन सम्मानित अतिथि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, मुखिया अनिकेत नायक, डॉ प्रकाश कुमार, सुदेश कुमार,मो इब्राहिम, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशंकर कुमार उर्फ शिबू मेहता, झारखंड कॉलेज के प्राचार्य विनोद यादव, पूर्व मुखिया भीखन प्रसाद, द्वारा संयुक रूप से मेडल चित्रित निमार्ता नंदनी कुमारी को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

प्रेरणा शाखा की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों पर हुई विस्तृत चर्चा

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा द्वारा श्री अग्रसेन भवन में सत्र 2026-27 की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्षा आकृति चौधरी ने की।बैठक की मुख्य में रजत जयंती वर्ष के 25 वर्षों की गौरवगाथा के अंतर्गत आयोजित होने वाले सृजन से सम्मान तक कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया । इसके तहत 6 जुलाई को कोडरमा गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम, 8 जुलाई को स्वास्थ्य जांच शिविर, 10 जुलाई को कन्या भ्रूण संरक्षण कार्यक्रम, 12 जुलाई को पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम, 14 जुलाई को संगठन विस्तार कार्यक्रम, 16 जुलाई को जनसेवा कार्यक्रम, 18 जुलाई को शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम, 20 जुलाई को युवा विकास एवं खेलकूद कार्यक्रम तथा 22 जुलाई को सूचना एवं जनसंपर्क एवं समाज सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में ये सभी कार्यक्रम पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों के सम्मान में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए प्रेरणा शाखा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों हेतु अलग-अलग परियोजना निदेशकों का भी मनोनयन किया गया है बैठक में जुलाई माह में आयोजित होने वाले विभिन्न सेवा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा उन्हें सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आवश्यक सुझावों एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष आकृति चौधरी ने अपने संबोधन में कहा, रजत जयंती वर्ष हमारे लिए गर्व और उपलब्धियों का प्रतीक है। इस विशेष वर्ष में हम सेवा, संस्कार और सामाजिक दायित्वों को नए आयाम देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सभी सदस्यों के सहयोग एवं समर्पण से सृजन से सम्मान तक के सभी कार्यक्रम निश्चित रूप से सफल होंगे और समाज में सकारात्मक संदेश देंगे। बैठक के उपरांत जुलाई माह में जन्मदिन वाले सदस्यों का जन्मोत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।राष्ट्रगान के साथ कार्यकारिणी बैठक का सफलतापूर्वक समापन किया गया।बैठक में सचिव प्रिया अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, सारिका लड्ढा, श्रेया केड़िया, श्रिया चौधरी, रचना जैन, अनु संघई , प्रगति चौधरी, काजल गुप्ता, ममता बंसल, निशा संघई उपस्थित रहीं।

रंग-बिरंगे फूलों से महका डीएवी पब्लिक स्कूल गुमो: नन्हे-मुन्नों ने फ्लावर शो में बिखेरी मनमोहक छटा

कोडरमा : डीएवी पब्लिक स्कूल, गुमो, सतपुलिया में नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के विद्यार्थियों के लिए सह-पाठ्यक्रम गतिविधि के अंतर्गत आकर्षक फ्लावर शो का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी गुलाब, लिली, सूरजमुखी, डेजी, कमल, गेंदा सहित विभिन्न सुंदर फूलों की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। बच्चों की रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों ने पूरे विद्यालय परिसर को मानो पुष्प वाटिका में परिवर्तित कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फ्लावर रैंप वॉक रहा, जिसमें बच्चों ने आत्मविश्वास एवं मनमोहक अंदाज के साथ अपनी प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की मासूम मुस्कान, आकर्षक वेशभूषा एवं उत्साह ने उपस्थित सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों को भावविभोर कर दिया। विद्यालय की शिक्षिका प्रभारी श्वेता सिंह ने सभी प्रतिभागी बच्चों की सराहना करते हुए अभिभावकों का सहयोग एवं उत्साहवर्धन के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय के प्रबंधक कृष्ण कुमार सिंह ने बच्चों को अपना आशीर्वाद देते हुए इस अभिनव एवं रचनात्मक कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं मंचीय कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संध्या कुमारी, शिल्पी गुप्ता, शुभम कुमारी मिश्रा एवं कोमल कुमारी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन सीसीए प्रभारी शिल्पी गुप्ता ने किया। पूरे आयोजन ने विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों के बीच आनंद, उत्साह और प्रकृति प्रेम का सुंदर संदेश प्रसारित किया।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया गया

कोडरमा : मॉडर्न पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा के इको क्लब द्वारा सुश्री प्रियंका सिंह के नेतृत्व में 03 जुलाई 2026 को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा 1 से 3: छात्रों ने प्लास्टिक वस्तुएं बनाम पर्यावरण-अनुकूल वस्तुएं विषय पर छँटाई गतिविधि में भाग लिया। इसके माध्यम से बच्चों ने हानिकारक प्लास्टिक और टिकाऊ वस्तुओं के बीच अंतर समझा। कक्षा 4 से 6: पेपर बैग निर्माण गतिविधि का आयोजन किया गया। छात्रों ने रंगीन चार्ट पेपर से थैले बनाए, उन्हें सजाया तथा उन पर प्लास्टिक को ना कहें का संदेश लिखा। शपथ ग्रहण समारोह: गतिविधियों के अंत में सभी छात्रों व शिक्षकों ने एक स्वर में प्लास्टिक का उपयोग न करने और कपड़े के थैलों को अपनाने की शपथ ली। विद्यालय की निदेशिका महोदया श्रीमती संगीता शर्मा ने इस अवसर पर कहा, प्लास्टिक प्रदूषण आज हमारे पर्यावरण के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल का लक्ष्य केवल शिक्षित करना नहीं, बल्कि संस्कारवान और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिक तैयार करना है। हमारे छात्रों द्वारा उठाया गया यह छोटा कदम आने वाले कल के लिए बड़ा परिवर्तन लाएगा। मैं सभी से आग्रह करती हूँ कि 'रिफ्यूज, रिड्यूस, रीयूज' के सिद्धांत को अपने जीवन में अपनाएँ। विद्यालय की प्रधानाचार्य जी. सी. वर्मा ने इको क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, हम बच्चों में किताबों के साथ-साथ व्यावहारिक जीवन के मूल्यों का विकास करना चाहते हैं। प्लास्टिक मुक्त अभियान में बच्चों का उत्साह देखकर गर्व होता है। अभिभावकों से भी निवेदन है कि घर से ही इस बदलाव की शुरूआत करें और बच्चों के आदर्श बनें। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी ऐसे पर्यावरण-अनुकूल कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ के जयनगर प्रक्षेत्र में युवा मोर्चा का गठन

जयनगर (कोडरमा) : उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ, जिला कोडरमा के अंतर्गत जयनगर प्रक्षेत्र में क्षत्रिय युवा मोर्चा के गठन को लेकर शुक्रवार को जयनगर दुर्गा मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जयनगर प्रक्षेत्र के अध्यक्ष अशोक सिंह ने की, जबकि संचालन प्रक्षेत्र सचिव सुनील सिंह ने किया। युवा मोर्चा गठन प्रक्रिया के पर्यवेक्षक के रूप में विजय सिंह उपस्थित रहे। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी रघुनंदन सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा सदानंद सिंह, दिनेश सिंह, विनय सिंह, केदार सिंह, राजकुमार सिंह, प्रदीप सिंह, पप्पू सिंह, नवीन कुमार सिंह, अश्विनी कुमार सिंह, सनोज सिंह सहित बड़ी संख्या में राजपूत समाज के लोग शामिल हुए।

एक नजर

नगर यात्रा 4.0 का समापन, 100 गांवों के 3000 बच्चों का किया भरपूर मनोरंजन

रांची : वन बंधु परिषद का युवा चैप्टर एकल युवा रांची की ओर से नगर यात्रा 4.0 का समापन शुक्रवार को हुआ। कार्यक्रम का आयोजन रातू रोड स्थित मॉल ऑफ रांची के स्टारकेड गेमिंग जोन में किया गया। इसमें कुल 100 गांवों के 3000 बच्चे शामिल हुए। इन बच्चों को शहर का अनुभव दिया गया। एकल युवा के सचिव कंचन कौर ने बताया कि नगर यात्रा में बच्चों के लिए खेल-कूद, मनोरंजन और खाने-पीने की सुविधा का प्रबंध किया गया था। साथ ही बच्चों को कुछ गिफ्ट और स्नैक्स पैकेट दिया गया। मीडिया कोऑर्डिनेटर कीर्ति मारू ने बताया कि यह कार्यक्रम चार दिन तक चला। इसके मुख्य दानदाता चिन्नई के कमलेश जैन और स्टारकेड गेमिंग जोन के नियोजक राजेश अडूकिया थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बच्चों को निशुल्क मनोरंजन कराया गया।

वैश्य मोर्चा का तीसरा महाधिवेशन 30 अक्टूबर से कांके में

रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का तीसरा महाधिवेशन आगामी 30 और 31 अक्टूबर 2026 को कांके में आयोजित होगा। इसकी जानकारी केंद्रीय अध्यक्ष माहेश्वर साहु ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर को आयोजित खुले सत्र में राज्यभर से वैश्य मोर्चा के प्रतिनिधि, सदस्य और समर्थक शामिल होंगे। वहीं, 31 अक्टूबर को प्रतिनिधि सत्र आयोजित होगा, जिसमें संगठन के नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। माहेश्वर साहु ने बताया कि खुले सत्र में झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से वैश्य समाज के नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया जाएगा। मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु ने बताया कि एक जुलाई को रांची में आयोजित डॉ वीपी केशरी जयंती सह विचार गोष्ठी में पारित प्रस्तावों को अगले सप्ताह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि विचार गोष्ठी में संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर भी सहमति बनी है। इसके तहत 09 अगस्त को रामगढ़ में वैश्य क्रांति सम्मेलन, 17 अगस्त को धनबाद में शहीद मणींद्रनाथ मंडल जयंती कार्यक्रम और रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, लोहरदगा, लातेहार, खूंटी, गुमला, देवघर, धनबाद और गिरिडीह सहित विभिन्न जिलों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। साथ ही 17 जुलाई को ओरमांझी में केंद्रीय समिति की बैठक में महाधिवेशन और अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

सीए फाउंडेशन परीक्षा परिणाम घोषित, रांची केंद्र से 81 परीक्षार्थी सफल

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से मई 2026 में आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया। देशभर के 609 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 1,06,411 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 20.09 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की। अखिल भारतीय स्तर पर नासिक की साक्षी जैन ने 400 में से 371 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। चंद्रपुर के अयान अब्बास अजानी ने 367 अंकों के साथ द्वितीय और पुणे के राधा उन्मेष मुलाय ने 365 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इधर, रांची परीक्षा केंद्र से कुल 548 परीक्षार्थियों में से 81 अभ्यर्थी सफल हुए। इनमें ईशा पोद्दार ने 368 अंक प्राप्त कर रांची केंद्र में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। अनुष्का केशरी ने 266 अंकों के साथ द्वितीय और सूरज अग्रवाल ने 260 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं बल्कि निजता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा : स्पीकर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रशासन के संचालन, आर्थिक गतिविधि और नागरिकों की सुरक्षा और निजता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। महतो बतौर मुख्य अतिथि शुक्रवार को पुराने झारखड विधान सभा परिसर में बाल कल्याण संघ, द एशिया फाउंडेशन और साइबर पीस के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल युग के बढ़ते साइबर खतरों, डिजिटल धोखाधड़ी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रणनीतिक क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग विकास और सुशासन के लिए अत्यंत उपयोगी है, लेकिन इसके सुरक्षित और नैतिक उपयोग के प्रति जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है ताकि हमारी निजता एवं सरकारी अभिलेखों एवं आर्थिक गतिविधियों की गोपनीयता सुरक्षित रह सके। स्पीकर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को नई तकनीकों, साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी होना समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यशाला जनप्रतिनिधियों की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ डिजिटल रूप से सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मौके पर राज्यसभा सदस्या महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक नवीन जयसवाल ने भी डिजिटल शासन के बढ़ते दायरे और उससे जुड़े साइबर सुरक्षा की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला । कार्यशाला के दौरान साइबर सुरक्षा की बुनियादी समझ, वर्तमान साइबर खतरों और एआई प्रेरित जोखिमों के प्रति जागरूकता, सरकारी प्रणालियों को सुरक्षित रखने के उपाय, साइबर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश, नागरिकों के डेटा के सुरक्षित प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण के प्रोटोकॉल एवं त्वरित घटना पर प्रतिक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों की ओर से विस्तृत प्रस्तुतीकरण दी गई। कार्यशाला में बाल कल्याण संघ के संस्थापक संजय कुमार मिश्रा, द एशिया फाउंडेशन की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव नंदिता बरुआ और साइबर पीस फाउंडेशन के प्रतिनिधि कैप्टन एस सी जोशी एवं नमन जोशी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

हिमांशु सिंह हत्याकांड की हो उच्चस्तरीय जांच, दोषियों को मिले कड़ी सजा : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने जमशेदपुर में होटल के बाहर हुई हिमांशु सिंह की हत्या पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त करते हुए मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में हुई यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है और यदि समय पर प्रभावी कार्रवाई होती तो संभवतः इस दुखद घटना को रोका जा सकता था। शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संजय सेठ ने कहा कि इस जघन्य हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का भय बना रहे और लोगों का न्याय व्यवस्था पर विश्वास कायम रहे। संजय सेठ ने यह भी कहा कि इस घटना की आड़ में किसी भी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने या प्रताड़ित करने का प्रयास नहीं होना चाहिए। न्याय का मूल सिद्धांत यही है कि दोषियों को दंड मिले, लेकिन किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो। यदि ऐसा होता है तो इससे समाज, विशेषकर व्यापारिक समुदाय का कानून-व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होगा। संजय सेठ ने राज्य सरकार से मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही, जिन पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में यह घटना हुई, उनकी भूमिका और संभावित लापरवाही की भी निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने दिवंगत हिमांशु सिंह के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि हिमांशु सिंह की पत्नी को सरकारी नौकरी देकर परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। संजय सेठ ने कहा कि

हिमांशु सिंह हत्याकांड में निर्दोष को फंसाने की कोशिश : आदित्य साहू

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रेस वार्ता कर हिमांशु सिंह हत्याकांड में पुलिस और राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में कोई भी घटना घटित होने पर मामले को डायवर्ट करने का पुलिस का स्वभाव बन चुका है। पुलिस घटना की मूल चीजों से ध्यान भटकाने का काम करती है। आदित्य साहू ने कहा कि जमशेदपुर मामले में पुलिस मनगढ़ंत कहानी गढ़कर केस को दबाने और निर्दोष को फंसाने का काम कर रही है। इस मामले में जिस व्यापारी नीरज सिंह का नाम पुलिस ला रही है, जिस दिन घटना घटी, उस दिन नीरज सिंह अपने प्रतिष्ठान में नहीं थे। नीरज सिंह अपने प्रतिष्ठान को काफी दिनों से वैध तरीके से चला रहे हैं। साहू ने कहा कि यदि नीरज सिंह अवैध रूप से कारोबार कर रहे थे तो उसे पुलिस-प्रशासन एवं विभाग ने पहले क्यों नहीं बंद कराया? सरकार के द्वारा निर्गत लाइसेंस गलत थे तो इसे रद्द क्यों नहीं किया गया? क्या उस प्रतिष्ठान के भीतर उस युवक की हत्या हुई है? जब यह जगजाहिर है कि हत्या बीच चौराहे पर पुलिस की मौजूदगी में हुई है तो फिर इस तरह की मनगढ़ंत कहानी बनाकर केस को दूसरी दिशा देकर क्यों भटकाया जा रहा है। आदित्य साहू ने इस मामले में अपराधियों के साथ-साथ हत्या के समय मौजूद पुलिसकर्मियों पर भी मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की मांग की है।

के राजू के समक्ष मनिका प्रमुख प्रतिमा देवी ने थामा कांग्रेस का दामन

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में शुक्रवार को लातेहार जिले के मनिका प्रखंड की प्रमुख प्रतिमा देवी ने कई समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर झारखंड प्रभारी के राजू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी के राजू ने उन्हें पार्टी का पट्टा पहनाकर कांग्रेस परिवार में स्वागत किया। इस अवसर पर के राजू ने कहा कि कांग्रेस की जनपक्षधर नीतियों, संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय और युवाओं के अधिकारों के लिए किए जा रहे संघर्ष से प्रभावित होकर लगातार विभिन्न दलों और सामाजिक संगठनों के लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिमा देवी के कांग्रेस परिवार में शामिल होने से लातेहार जिले, विशेषकर मनिका विधानसभा क्षेत्र में संगठन को नई ताकत और गति मिलेगी।

पति-पत्नी के विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस नाबालिग के पास से देशी कट्टा और कारतूस बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के पुरुलिया रोड स्थित एक घर में पति-पत्नी के बीच विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग के पास से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपित नाबालिग को निरुद्ध कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है। नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने शुक्रवार को बताया कि दो जुलाई की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि पुरुलिया रोड स्थित एक परिवार में पति-पत्नी के बीच विवाद और हंगामा हो रहा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के साथ मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल पर मौजूद एक नाबालिग की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। इसके बाद उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस तथा एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद हथियार, कारतूस और मोबाइल फोन को विधिवत जब्त कर लिया तथा नाबालिग को निरुद्ध कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियार उसके पास कैसे पहुंचा और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि नाबालिग का किसी आपराधिक गिरोह या अवैध हथियार तस्करी से कोई संबंध तो नहीं है। साथ ही हथियार के स्रोत और उससे जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। पुलिस ने कहा कि मामले में जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

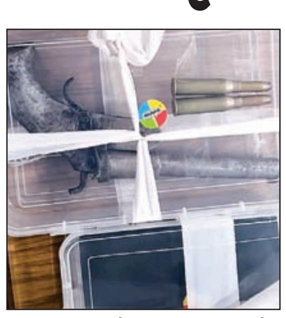

जेईए और बीआईटी मेसरा के बीच स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर एमओयू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नवाचार आधारित उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में शुक्रवार को झारखंड एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (जेईए) और बीआईटी मेसरा के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। बीआईटी मेसरा की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान छात्रों, शोधकताओं, संकाय सदस्यों और नवाचारकताओं को उनके शोध और विचारों को तकनीक, उत्पाद और स्टार्टअप में विकसित करने के लिए साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा। समझौते के तहत स्टार्टअप स्काउटिंग, नवाचार की पहचान, मेंटरशिप संयुक्त रूप से संचालित किए जाएंगे। क्वांटम टेक्नोलॉजी, डीप टेक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मेडटेक, ग्रामीण नवाचार, पर्यटन, महिला उद्यमिता, सतत विकास और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष फोकस रहेगा। साथ ही अनुसंधान के व्यावसायीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इस अवसर पर जेईए के अध्यक्ष सुमित कुमार ने कहा कि यह समझौता झारखंड में नवाचार और उद्यमिता के नए दौर की शुरूआत है। ताकि युवाओं को न सिर्फ रोजगार के लिए तैयार किया जाए, बल्कि उन्हें स्टार्टअप स्थापित कर रोजगार सृजक बनने के लिए सक्षम बनाना अहम उद्धेश्या है। उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा के साथ यह साझेदारी राज्य में नवाचार आधारित विकास और तकनीकी उद्यमिता को नई गति देगी।

कृषि वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की तकनीकों का करें प्रसार : कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के प्रसार शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में 'जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर जलवायु के प्रभावों का प्रबंधन' विषय पर राज्य के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन शुक्रवार को प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बीएयू के कुलपति, डॉ एससी दुबे ने कहा कि झारखंड की 80 प्रतिशत खेती वर्षा आधारित है। वर्तमान परिस्थिति में मौसम के विभिन्न कारकों वर्षा की प्रवृत्ति, तापमान, हवा की गति, दिशा, हवा का दबाव, सूर्य प्रकाश की तीव्रता में परिवर्तन हो रहा है। ऐसी परिस्थिति में कृषि वैज्ञानिकों को इसके तत्काल प्रभाव के प्रबंधन से सम्बन्धित तकनीकों का प्रसार करना चाहिए। कुलपति ने इस वर्ष अलनीनो के प्रभाव से फसलों को होने वाले संभावित नुकसान से निबटने की रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को कृषि कार्य में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए उचित प्रभेद, फसल विविधिकरण, बोआई-रोपाई के समय में परिवर्तन की परखी हुई तकनीकों का प्रसार करना चाहिए। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ डीके शाही ने कहा कि किसानों को सूखा, बाढ़, ऊष्मा तथा भूमि अम्लीयता सहन करने वाली उन्नत फसल किस्मों से अवगत कराना होगा और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देना होगा। डॉ शाही ने वैज्ञानिकों को निर्देश दिया कि पूरे राज्य के कृषि विज्ञान केन्द्रों में 07 जुलाई को मौसम में हो रहे बदलाव के वैज्ञानिक समाधान विषय पर किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जाय जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या का समाधान वैज्ञानिक तरीकों से हो सके। वहीं तकनीकी सत्र में आनुवंशिकी और पौधा प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती और आईसीएआर शोध संस्थान, पलाण्डु के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बालकृष्ण झा ने भी अपने विचार रखे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य भर के कृषि विज्ञान केन्द्रों के 46 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रो. गोपाल पाठक को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव और सम्मान का क्षण है। विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक को शिक्षा, अकादमिक उत्कृष्टता, शिक्षण, शोध तथा शिक्षा के माध्यम से समाज के विकास में आजीवन समर्पित योगदान के लिए यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, झारखंड स्टेट शाखा द्वारा आयोजित 7वें झारखंड एक्सीलेंस अवार्डझ2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। रांची के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित भव्य समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं रांची के विधायक सी. पी. सिंह ने प्रो. गोपाल पाठक को यह सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. पाठक के दीर्घकालिक, उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी योगदान का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और शैक्षणिक प्रतिबद्धता ने सरला बिरला विश्वविद्यालय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सरला बिरला विश्वविद्यालय की कुलाधिपति जयश्री मोहता, प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, शासी निकाय के सदस्य अनंत जाटिया, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन तथा माननीय राज्यसभा सांसद एवं निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. गोपाल पाठक को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल प्रो. पाठक की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सरला बिरला विश्वविद्यालय के समूचे शैक्षणिक परिवार के लिए गर्व, प्रेरणा और सम्मान का विषय है। विश्वविद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रो. गोपाल पाठक के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सरला बिरला विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध, नवाचार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करता रहेगा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

सेल के सीएसआर के तहत सोहराई पेंटिंग प्रशिक्षण का हुआ समापन, प्रतिभागियों को मिले प्रमाण-पत्र

रांची : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील द्वारा प्रायोजित तथा स्तंभ ट्रस्ट द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट थ्रू सोहराई पेंटिंग ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह दिनांक 03 जुलाई 2026 को अमर शहीद वीर बुधुभगत हूही मोर्चा, टोंगरी टोली, अरगोड़ा, रांची में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में सेल की ओर से उज्ज्वल भास्कर, संचार प्रमुख; प्रभात होरो, महाप्रबंधक (सी.एस.आर) एवं लक्ष्मण जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि सोहराई जैसी पारंपरिक लोककला के संरक्षण, संवर्धन एवं स्वरोजगार के अवसरों के सृजन की दिशा में यह पहल अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। स्तंभ ट्रस्ट की ओर से सचिव अवनी भूषण, निदेशक जयश्री देवी तथा सहयोगी शाही, उषा, सुनील एवं प्रमोद समारोह में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय पारंपरिक कला को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना, महिलाओं एवं युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके लिए आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने सोहराई पेंटिंग की पारंपरिक तकनीकों, डिजाइन एवं आधुनिक उपयोगिता का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों में न केवल कौशल का विकास किया, बल्कि उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में भी प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण सहभागिता, अतिथियों के प्रेरक संबोधन तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह पहल सोहराई कला के संरक्षण, स्थानीय संस्कृति के संवर्धन तथा समुदाय आधारित आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक प्रयास सिद्ध हुई।

मेकॉन को राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए नराकास का तृतीय पुरस्कार

रांची : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), रांची की ओर से सीएमपीडीआई मुख्यालय में आयोजित बैठक सह पुरस्कार वितरण समारोह में मेकॉन लिमिटेड को राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2025-26 का नराकास तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान कार्यालयी कार्यों में हिंदी के बढ़ते उपयोग और राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन के लिए दिया गया। यह जानकारी मेकॉन की सिमतिनती साहू ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि समारोह में सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी-सीआरडी) नृपेंद्र नाथ और गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, पूर्वी क्षेत्र (कोलकाता) के उप निदेशक (कार्यान्वयन) डॉ विचित्रसेन गुप्त ने मेकॉन के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। मेकॉन की ओर से महाप्रबंधक (लौह निर्माण) और प्रभारी राजभाषा विश्वजीत कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक आनंद भारद्वाज एवं राजभाषा टीम के सदस्यों ने प्रमाणपत्र प्राप्त किया। बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयी कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान मेकॉन लिमिटेड की ओर से आयोजित स्मरण शक्ति प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को सुशासन और प्रभावी प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम में रांची स्थित विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख, राजभाषा कार्य से जुड़े अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मृतक विजय महतो के परिजनों को मिली आर्थिक व खाद्य सामग्री की सहायता

अनगड़ा : ओरमांझी प्रखंड के भूसुर निवासी विजय महतो (48)का देहांत पिछले दिनों हृदयाघात से निधन हो गया था। पूर्व मुखिया नीलमोहन पाहन द्वारा सहयोग के लिए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार से संपर्क कर मृतक के परिजनों की आर्थिक स्थिति के बारे में बता कर सहयोग करने की अपील पर जैलेंद्र कुमार उनके घर जा कर श्राद्ध के लिया आर्थिक एवं खाद्य सामग्री दिया। मौके पर पुत्र श्याम महतो पूर्व मुखिया नीलमोहन पाहन,गणेश किशोर महतो,असेसर महतो,छोटेलाल महतो,मनोहर महतो,बिजेंद्र राय,बिसेसर महतो,वार्ड सदस्य,धनेसर महतो,लखन महतो आदि रहे।

विनय कटियार : आंदोलन के नायक से उपेक्षित चेहरे तक

श्री रामजन्मभूमि आंदोलन के इतिहास में विनय कटियार का नाम स्तंभ के रूप में दर्ज है, जिन्होंने न केवल इस आंदोलन को वैचारिक और धरातलीय आधार प्रदान किया, बल्कि बजरंग दल के संस्थापक के रूप में कारसेवकों की एक पूरी फौज खड़ी कर दी थी, लेकिन रामलला का भव्य मंदिर अस्तित्व में आने के बाद, विनय कटियार की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ वह हाशिए पर, एकाकी और उपेक्षित नजर आते हैं। उनके इस अलगाव के पीछे केवल राजनीति का बदलता स्वरूप नहीं है, बल्कि उनकी वह बेबाक और अनियंत्रित शैली है, जिसने उन्हें सत्ता के गलियारों में विद्रोही या बेमेल घोषित कर दिया है। यह एक विडंबना ही है कि जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी जवानी उस लक्ष्य को समर्पित कर दी, आज वह उसी लक्ष्य की पूर्णता के बाद स्वयं को अप्रासंगिक महसूस कर रहा है।उधर, आज भी विनय कटियार, न्यास के महासचिव चंपत राय को सबसे बेकार बता रहे हैं और वह यह भी पूछते हैं कि न जाने उनको किसने यहां भेज दिया।

खैर, विनय कटियार का राजनीतिक पतन या उनका वर्तमान एकाकीपन अचानक नहीं आया है। यह उनके चरित्र की एक ऐसी विशेषता है जो उन्हें एक जन नेता से अलग एक असहज व्यक्ति के रूप में स्थापित करती है। कटियार की सबसे बड़ी ताकत ही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई, वह यह भूल जाते हैं कि वे किस मंच पर खड़े हैं और निशाना किस पर साध रहे हैं। राजनीति में अक्सर चुप्पी और रणनीति का महत्व होता है, लेकिन कटियार उस श्रेणी के नेता रहे हैं जो सत्य और कड़वाहट को एक ही तराजू में तौलते हैं। उन्होंने न केवल विपक्ष को अपने तीखे बयानों का निशाना बनाया, बल्कि अपनी ही पार्टी भाजपा और वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रति भी वही आक्रामकता दिखाई, जो एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के लिए होनी चाहिए। इसी के चलते राम मंदिर निर्माण के दौरान और उसके बाद, कटियार के बयानों ने पार्टी नेतृत्व को कई बार असहज किया। उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रक्रिया, न्यास के निर्णयों और चंदे में धांधली जैसे गंभीर आरोप सार्वजनिक मंचों से लगाए। जब कोई नेता अपनी ही पार्टी द्वारा संचालित किसी पुनीत कार्य पर भ्रष्टाचार की उंगली उठाता है, तो उसे पार्टी के भीतर गद्दार या बौखलाया हुआ मान लिया जाता है। कटियार के साथ भी यही हुआ। उन्होंने चंदा चोरी जैसे गंभीर मुद्दे उठाए, लेकिन उनके आरोपों को कभी आधिकारिक तवज्जो नहीं दी गई। उन्हें न केवल अनसुना किया गया, बल्कि उन्हें मुख्यधारा की राजनीति से भी धीरे-धीरे काट दिया गया। इसके साथ-साथ कटियार की अनदेखी के पीछे एक गहरा राजनीतिक मनोविज्ञान भी काम कर रहा है। भाजपा जैसे अनुशासित संगठन में, यदि कोई वरिष्ठ नेता, जिसने आंदोलन में अपना सब कुछ दिया हो, वह भी यदि संगठन के भीतर आंतरिक लोकतंत्र या शुद्धता की बात करता है, तो उसे तुरंत किनारे कर दिया जाता है। कटियार ने अपनी बातों को सबूतों के साथ पेश करने का दावा किया, लेकिन क्या व्यवस्था ने कभी उन सबूतों को देखने की जहमत उठाई? संभवतः नहीं। उन्हें अनदेखा करना इसलिए आसान था क्योंकि वे अब उस मैनेजेबल राजनीति का हिस्सा नहीं थे, जिसकी आज के दौर में आवश्यकता है। वे एक ऐसे पुराने स्कूल के नेता हैं, जो आज की कॉर्पोरेट राजनीति और सॉफ्ट हिंदुत्व के दौर में फिट नहीं बैठते। भाजपा का नेतृत्व यह भली-भांति जानता है कि राम मंदिर आंदोलन का श्रेय उन्हें मिल चुका है, और अब उस आंदोलन के कट्टरपंथी चेहरों की उतनी आवश्यकता नहीं है जितनी कि विकास और सुशासन के ब्रांड एंबेसडर्स की है। बजरंगी नेता विनय कटियार के प्रति इस उपेक्षा ने न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से तोड़ा है, बल्कि यह एक खतरनाक संदेश भी देता है कि पार्टी में अब इतिहास और संघर्ष की तुलना में उपयोगिता अधिक महत्वपूर्ण है।

सूडोकु नवताल- 7845

★★★✬✩ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7844 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

मजबूत लोकतंत्र के लिये दागी नेताओं से मुक्ति जरूरी

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। किंतु यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास में नहीं, बल्कि उसकी राजनीति और शासन व्यवस्था की नैतिकता में निहित होती है। यदि लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना है तो राजनीति को अपराध, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की गिरफ्त से मुक्त करना ही होगा। आजादी के बाद से लगभग हर सरकार ने भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, पारदर्शी प्रशासन और स्वच्छ राजनीति का वादा किया। अनेक आयोग बने, कानून बने और चुनाव सुधारों की चर्चाएँ भी हुईं, लेकिन जब भी कोई ठोस एवं प्रभावी सुधार लागू करने का प्रयास हुआ, राजनीतिक दलों ने अपने-अपने हितों के अनुसार उसका समर्थन अथवा विरोध किया। परिणाम यह हुआ कि राजनीतिक शुचिता का प्रश्न आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, जिससे सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। यह और बड़ी विडम्बना है कि जिस विषय पर पूरे राष्ट्र की सहमति होनी चाहिए, वही विषय राजनीतिक टकराव का माध्यम बन जाता है।

आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी संदर्भ में भाजपा सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पाँच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था।

निश्चित ही संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि कोई जनप्रतिनिधि हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद अथवा संगठित अपराध जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में है, तो क्या वह जनता का प्रतिनिधित्व करने का नैतिक अधिकार बनाए रखता है? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिकता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। हालांकि इस प्रकार के कानून पर कई संवैधानिक प्रश्न भी उठते हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को तब तक निर्दोष मानता है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए। केवल आरोप के आधार पर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाना राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार भी बन सकता है। विपक्षी दलों की यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती कि यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं होंगे तो सत्ता में बैठी सरकारें विरोधियों के विरुद्ध जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर सकती हैं। इसलिए किसी भी नए कानून में प्राकृतिक न्याय, न्यायिक समीक्षा और निष्पक्ष जांच की सुदृढ़ व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। लेकिन इन आशंकाओं के कारण सुधार की पूरी प्रक्रिया को रोक देना भी उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में सुधार का अर्थ किसी दल को लाभ या हानि पहुंचाना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करना है। यदि कानून संतुलित, पारदर्शी और न्यायसंगत हो तो वह लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि अधिक विश्वसनीय बनाता है।

भारत की राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक मयार्दाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए। बिहार में लालू प्रसाद यादव से लेकर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तथा उनके कुछ मंत्रियों तक, विभिन्न राजनीतिक दलों के अनेक नेता ऐसे रहे हैं जो गंभीर आरोपों अथवा जेल में रहने के बावजूद सत्ता पर बने रहने का प्रयास करते रहे। यह किसी एक दल का प्रश्न नहीं है, लगभग सभी बड़े राजनीतिक दल समय-समय पर इस आलोचना के घेरे में रहे हैं। जेल से सरकार चलाने अथवा संवैधानिक पद पर बने रहने की मानसिकता लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। यह सही है कि कानून अपना कार्य करेगा और न्यायालय अंतिम निर्णय देगा, किंतु सार्वजनिक जीवन केवल कानूनी वैधता से नहीं चलता, उसका आधार नैतिक वैधता भी होती है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि आदर्शों का भी प्रतीक होता है। यदि उसके ऊपर गंभीर आरोप हों और वह फिर भी पद से चिपका रहे, तो जनता का लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है। राजनीति में पद त्यागना पराजय नहीं, बल्कि नैतिक साहस का परिचायक होता है।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसमें आर्थिक प्रगति के साथ सुशासन, डिजिटल पारदर्शिता, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, एक्सप्रेस-वे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेज आर्थिक विकास से नहीं बनेगा, वह तभी बनेगा जब शासन चलाने वाले व्यक्तियों की विश्वसनीयता भी उतनी ही मजबूत होगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की राजनीति भी विश्व के लिए आदर्श बननी चाहिए। आज आवश्यकता केवल कानून बदलने की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति बदलने की भी है। राजनीतिक दलों को चुनावी टिकट देते समय उम्मीदवार के चरित्र, सार्वजनिक जीवन, सामाजिक सेवा और नैतिक छवि को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय कई बार राजनीतिक दलों से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करने को कह चुका है, किंतु व्यवहार में इसमें अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देता। यदि राजनीतिक दल स्वयं आत्मानुशासन नहीं अपनाएंगे, तो केवल कानून से समस्या का समाधान संभव नहीं होगा।

इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी व्यापक सुधार अपेक्षित हैं। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का वर्षों तक लंबित रहना लोकतंत्र के लिए घातक है। विशेष न्यायालयों द्वारा समयबद्ध सुनवाई, निष्पक्ष जांच और शीघ्र निर्णय की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि न निर्दोष व्यक्ति वर्षों तक संदेह के घेरे में रहे और न दोषी व्यक्ति कानून की तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर जनता का प्रतिनिधित्व करता रहे। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान से नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र से सुनिश्चित होती है। जब तक राजनीति में नैतिकता, सेवा, त्याग और उत्तरदायित्व की भावना नहीं आएगी, तब तक भ्रष्टाचार और अपराध का दुष्चक्र पूरी तरह समाप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, किंतु राष्ट्रीय हित से जुड़े सुधारों का विरोध केवल राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर नहीं होना चाहिए। यदि किसी प्रस्ताव में कमियां हैं तो उन्हें सुधारने के सुझाव दिए जाएं, लेकिन सुधार की दिशा को अवरुद्ध करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जा सकता।

आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न है, तो दूसरी ओर राजनीति की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने की चुनौती भी है। इन दोनों लक्ष्यों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

कलकत्ता विश्वविद्यालय की गरिमा को पुर्नस्थापित करने का अवसर

गिरीश्वर मिश्र

सन 1857 भारतवर्ष के इतिहास में एक प्रस्थान बिंदु के रूप में स्मरण किया जाता है। तब इतिहास ने करवट ली थी और देश का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का आरंभ हुआ था। इस अत्यंत महत्वपूर्ण घटना की स्मृति के बीच दूसरी बातें अलक्षित ही रह जाती हैं। यह तथ्य भुला दिया जाता है कि उसी वर्ष भारत में पहला आधुनिक विश्वविद्यालय स्थापित हुआ था। अंग्रेजी शासन के केंद्र रहे कलकत्ता में पहले विश्वविद्यालय का आरंभ हुआ था। उसके साथ ही बांबे (अब मुंबई) और मद्रास की रेज़िडेंसियों और फिर 1887 में इलाहाबाद में विश्वविद्यालय स्थापित हुए जिन्होंने देश में आधुनिक ढंग की उच्च शिक्षा की नींव रखी। ये सभी सरकारी विश्वविद्यालय थे जिनकी देखरेख और व्यवस्था राज्य के अधीन थी। शुरू में विश्वविद्यालय का कार्य मात्र परीक्षा आयोजित करने तक सीमित था। धीरे-धीरे उनमें अध्ययनझअध्यापन के साथ शिक्षा देने का कार्य भी शुरू हुआ। कालांतर में अध्ययन विषयों का विस्तार भी हुआ जो विशिष्टीकरण और अब अंतरानुशासनिक दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के केंद्र बनने लगे और वहाँ शिक्षण के साथ विभिन्न विषयों में अनुसंधान का काम भी शुरू हुआ।

स्वतंत्रता मिलने के बाद सामाजिक विकास की दृष्टि से देश में शिक्षा के प्रसार की जरूरत महसूस की गई। खासतौर पर आम जनता के लिए शिक्षा पाने की सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से भारत में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की संख्या बढ़ने लगी। विगत कुछ दशकों में उनकी संख्या में बड़ी तेजी से उछाल आया है। आज पूरे भारत में ग्यारह सौ से अधिक विश्वविद्यालय हैं और चालीस हजार से ज्यादा महाविद्यालय जिनमें उच्च शिक्षा दी जाती है। सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी, विदेशी आदि कई तरह के विश्वविद्यालय शामिल हैं। इनमें कुछ ह्यडीम्ड टू बीह्ल विश्वविद्यालय भी हैं। इनमें कई तरह का स्तर भेद मौजूद है। विश्वविद्यालयों की संख्या में निश्चित ही कई गुनी वृद्धि दर्ज हुई है। इनमें बहुत सारे गैर सरकारी विश्वविद्यालय धनी लोगों द्वारा या व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा व्यापार-व्यवसाय की तर्ज पर धनार्जन के लिए चल रहे हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों से अधिकाधिक धन उगाही करना है। इन विश्वविद्यालयों में शिक्षा किस तरह की है और उसकी गुणवत्ता कैसी है यह एक अलग विचारणीय प्रश्न है। इन प्रश्नों को लेकर सबके मन में संशय बना हुआ है। उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों को देखें तो स्थिति निराशाजनक है और चिंता का कारण है।

पिछले वर्षों में विश्वगुरु बनने की बात की जाती रही है और नालंदा, तक्षशिला, वल्लभी, ओदंतपुरी जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों और वहाँ के गुरुओं की प्रतिभा का स्मरण किया जाता है। शिक्षा का यह समृद्ध अतीत निश्चय ही गौरवशाली है और देश के लिए गर्व का कारण है। परंतु आज की स्थिति यही है कि एक भी विश्वविद्यालय देश में ऐसा नहीं है जिसे स्वीकृत मानदंडों पर विश्वस्तरीय (वर्ल्ड क्लास) का दर्जा दिया जा सके। इसलिए प्रतिभावान भारतीय छात्रों के मन में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा पाने का तीव्र आकर्षण है। इसी का लाभ उठाते हुए कई विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपना परिसर खोल रहे हैं और विद्यार्थी वहाँ दाखिला भी ले रहे हैं। साथ ही सामर्थ्य रखने वाले साधन संपन्न अभिभावक अपने बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा दिलाने के लिए तत्पर रहते हैं।

समय कभी रुकता नहीं और अब कलकत्ता विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 170वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है । साथ ही यहाँ के युवतम कुलपति रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का भी यह वर्ष है। वे 33 वर्ष की आयु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए थे और विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के पठन-पाठन में अनेक सुधार किए। यही नहीं, उन्होंने बांग्ला भाषा को वहाँ शिक्षा का माध्यम बनाया, गुरुदेव टैगोर को बांग्ला भाषा साहित्य का विशिष्ट प्रोफेसर नियुक्त किया। गुरुदेव ने डॉ. मुखर्जी के आग्रह पर वहाँ 1937 में बांग्ला में दीक्षांत भाषण दिया था। डॉ. मुखर्जी ने विश्वविद्यालय में अनेक नवाचार भी किए। वे समाज के हर स्तर पर शिक्षा का प्रसार चाहते थे ताकि युवा वर्ग में मूल्यों का विकास हो सके। वह सांस्कृतिक जीवन और व्यावसायिक शिक्षा के बीच समुचित संबंध के पक्षधर थे। वे यह भी मानते थे कि उदार और मुक्त परिवेश में राष्ट्रीय संस्कृति के अनुरूप शिक्षा दी जानी चाहिए।

भारत स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों के जीवन विस्तार की दृष्टि से विचार करें तो कलकत्ता विश्वविद्यालय जितनी लंबी अवधि विशेष महत्व रखती है। वस्तुतः यह शिक्षा संस्थान आधुनिक भारत के जन्म और उसके नव-निर्माण का साक्षी है। देश के विस्तृत इतिहास के कई कालखण्डों की धड़कनों को अपने में समेटे हुए है। वर्तमान में यह राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय है जिसमें अनेकानेक विषयों और पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। इस विश्वविद्यालय का अत्यंत गौरवशाली अतीत है। इसकी पहले सीनेट में पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर एक सम्मानित सदस्य थे। ह्यवंदे मातरमह्ल के अमर गायक ख्यातिलब्ध रचनाकार साहित्य सम्राट बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय इस विश्वविद्यालय से अध्ययन कर निकलने वाले प्रथम स्नातक थे। यह भारत का अकेला विश्वविद्यालय है, जहाँ से चार नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्वान जुड़े रहे, दो स्वतंत्रता मिलने के पहले और दो स्वतंत्रता मिलने के बाद। इस विश्वविद्यालय में गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर बाँग्ला भाषा और साहित्य के और सर सीवी रमन भौतिकी के प्राध्यापक थे। प्रोफेसर अमर्त्य सेन और प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी यहाँ के आनर्स के छात्र थे। यहाँ अध्यापन करने वालों में रसायन शास्त्री प्रफुल्ल चंद्र रे, दार्शनिक ब्रजेन्द्रनाथ सील तथा सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिकीविद सत्येंद्रनाथ बोस तथा मेघनाद साहा, भौतिकीविद् एवं जीव वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस भी थे। महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस, देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद यहीं से पढ़ कर निकलने वाली विभूतियां थीं। इन सबने असंदिग्ध रूप से ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में और देश सेवा के लिए अमूल्य योगदान किया, ख्याति अर्जित की और देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया।

विश्वविद्यालयों की एनआईआरएफ की वर्ष 2025 की ताजा रैंकिंग की सूची में कलकत्ता विश्वविद्यालय का नाम देश के विश्वविद्यालयों में 37 वें स्थान पर दिख रहा है। आज कलकत्ता विश्वविद्यालय में मानविकी, भौतिक विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, जीव-विज्ञान, प्राच्य अध्ययन आदि अनेक विषयों की पढ़ाई हो रही है।

स्वामी जी ने भारत के गौरवशाली को रख दुनिया को अचंभित कर दिया था

विजय केसरी

1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सभा में स्वामी विवेकानंद ने भारत के गौरवशाली इतिहास को प्रस्तुत कर दुनिया को अचंभित कर दिया था। स्वामी जी के इस व्याख्यान के बाद दुनिया भर के देशों को भारत को देखने की दृष्टि ही बदल कर रख दी थी। एक प्रकार से उनका यह व्याख्यान भारत की आजादी का शंखनाद था। आज पुनः भारत अपने गौरवशाली इतिहास की ओर कदम बढ़ा चुका है। भारत विश्व गुरु बनने की ओर बहुत तेजी के साथ अग्रसर है। जबकि दूसरी ओर विश्व की अन्य देश, भारत को पीछे धकेलना में लगें हैं, लेकिन भारत अपनी मंजिल तय कर ही दम लगा। अमेरिका की कई पाबंदियां के बावजूद देश ने पोखरण में सफल आणविक परीक्षण किया था । साम्राज्यवादी चीन और अमेरिका जैसे देश को भारत ने अपनी अपनी शक्ति का एहसास कर दिया है।

स्वामी विवेकानंद ने जिस कालखंड में स्वामी विवेकानंद ने एक अंतरराष्ट्रीय मंच से अपनी बातों को रखा था, भारत का सबसे दुर्बल कालखंड था, तब किसी ने यह कल्पना तक नहीं की थी कि एक गेरुआ वस्त्र धारी युवा सन्यासी इतना पांडित्यपूर्ण व्याख्यान दे सकता है। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की उस धर्म सभा में कुछ ही मिनटों में भारत के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध रीति रिवाज, रहन सहन और महान संस्कृति को प्रस्तुत कर दिया था। स्वामी विवेकानंद से पूर्व देश के किसी वक्ता ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर इतनी गर्जना के साथ भारत के गौरवशाली इतिहास को नहीं रखा था। स्वामी विवेकानंद का यह मोटिवेशनल स्पीच स्वाधीनता आंदोलन संघर्ष के पूर्व का शंखनाद जैसा था,अगर मैं ऐसा लिखता हूं, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। स्वामी विवेकानंद के विचार ने देशवासियों के भीतर एक नई चेतना पैदा कर दी थी। सच्चे अर्थों में उनका जन्म देश को जगाने के लिए ही हुआ था।

स्वामी विवेकानंद विलक्षण प्रतिभा के महान संत थे। उन्होंने भारतीय उपनिषद, वेद, पुराण सहित विभिन्न ग्रंथों का व्यापक अध्ययन किया था। मानो उन्होंने भारत की गौरवशाली विरासत से साक्षात्कार कर लिया था। उन्हें यह पक्का विश्वास हो गया था कि जिस देश का इतना गौरवशाली इतिहास हो सकता है, वह देश कैसे परतंत्र रह सकता है ? देश की परतंत्रता के कारणों की जड़ तक पहुंचने वाले स्वामी विवेकानंद कुछ ऐसा करना चाहते थे कि संपूर्ण विश्व भारत के गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सके। उस ऐतिहासिक मंच पर वे करोड़ों भारतवासियों के अकेले प्रतिनिधि थे । उन्हें यकीन था कि भारत के प्रति पश्चिम वासियों की जो सोच थी, उसे सदा सदा के लिए बदल देना था। वे इसी उद्देश्य को लेकर मंच पर आसीन हुए थे। उनका सीना गर्व से चौड़ा था। ये बातें उनकी आंखें खुद-ब-खुद बंया कर रही थीं। इस विश्व धर्म सभा में सम्मिलित विचारको ने जब स्वामी विवेकानंद को देखा तो उन सबों को अहसास हो गया था कि स्वामी विवेकानंद कुछ चमत्कार जरूर करेंगे। विवेकानंद जी ने यह चमत्कार कर दिखाया था। जिसकी गूंज आज भी विश्व भर में गूंजित हो रही है।

उन्होंने कहा, 'मेरे प्रिय अमेरिका वासी भाइयों और बहनों ! आपने जिस सौहार्द और स्नेह के साथ हम लोगों का स्वागत किया है। उसके प्रति आभार प्रकट करने के निमित्त खड़े होते समय मेरा हदय अवर्णनीय हर्ष से पूर्ण हो रहा है। संसार में संन्यासियों की सबसे प्राचीन परंपरा की ओर से मैं आपको धन्यवाद देता हूं। धर्मों की माता की ओर से धन्यवाद देता हूं। सभी संप्रदायों एवं मतों के कोटि-कोटि हिंदुओं की ओर से धन्यवाद देता हूं। मैं इस मंच पर बोलने वाले उन कतिपय वक्ताओं के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। जिन्होंने प्राची के प्रतिनिधियों का उल्लेख करते समय आपको यह बतलाया कि सुदूर देशों के ये लोग सहिष्णुता का भाव विविध देशों में प्रचारित करने के गौरव का दावा कर सकते हैं। मैं एक ऐसे धर्म का अनुयाई होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरण समस्त धर्मों को सच मानकर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ित और शरणार्थियों को आश्रय दिया है'।

स्वामी जी ने विश्व धर्म सभा में बहुत ही तर्क पूर्ण ढंग से भारत की विरासत, भारत के धर्म, भारत के रीति रिवाज, रहन-सहन, भाषा, पूजा पद्धति आदि से संबंधित बातों को रखा था। भारतवासी किस तरह सभी धर्मों का समान रूप से आदर करते हैं ? भारतवासी एक सहिष्णु देश के रूप में अपने सभी भाई बहनों के साथ मिलजुल कर रहते हैं। भारत सभी धर्मों का आदर करने वाला देश है। विश्व धर्म सभा से स्वामी विवेकानंद ने जिस तरह आह्वान किया, फलस्वरूप भारत के प्रति पाश्चात्य देशों की सोच को सदा सदा के लिए बदल कर रख दिया । उन सबों को यह विचारने के लिए विवश होना पड़ा था कि जिस देश का इतना गौरवशाली इतिहास है। वह देश कैसे परतंत्र रह सकता है ? उस धर्म सभा में स्वामी विवेकानंद ने ना कोई अनशन किया, ना ही धरना दिया था। लेकिन अपनी जागृति पूर्ण बातों से वह काम कर दिखाया, जो पिछले दो हजार वर्षों में किसी भारतीय ने नहीं किया था।

दैनिक पंचांग

4 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	वृष में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.18 बजे से
सिंह	08.34 बजे से
कन्या	10.46 बजे से
तुला	12.57 बजे से
वृश्चिक	15.11 ब.से
धनु	17.27 बजे से
मकर	19.33 बजे से
कुंभ	21.19 बजे से
मीन	22.52 बजे से
मेष	00.22 बजे से
वृष	02.02 बजे से
मिथुन	04.01 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 185 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 12.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.44 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 17.02 बजे को समाप्त।
करण बालव 12.41 बजे तदनन्तर कौलव 01.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 53'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872760
जूलियन दिन 2461225.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम
तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध बालू कारोबार को लेकर पुलिस के द्वारा छापेमारी एक बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

बड़कागांव : बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने अवैध बालू कारोबार को लेकर सघन छापेमारी की। छापेमारी में बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया गया। थाना प्रभारी ने जब्त बालू लदा ट्रैक्टर को थाना ले लाई एवं करवाई की जा रही है। बताते चले कि बड़कागांव पुलिस के द्वारा अवैध बालू कारोबार को लेकर निरंतर छापेमारी की जा रही है । बताते चले की इन दिनों 10 जून से 15 अक्टूबर तक एनजीटी लागू है, नदियों से बालू उठाव करना गैर कानूनी है।

'वातार्लाप-2026' में जनकल्याण योजनाओं और किसान सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय , रांची द्वारा शुक्रवार को जमशेदपुर में "वातार्लाप-2026" मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के एवं किसान सशक्तिकरण तथा किसान सम्मान निधि" रहा। कार्यक्रम में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 70 पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, किसान-केंद्रित पहलों तथा विकसित भारत के संकल्प से जुड़े विषयों पर मीडिया के साथ सार्थक एवं तथ्यपरक संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों

के स्वागत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पीआईबी रांची/भुवनेश्वर के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने कहा कि सरकार और मीडिया के बीच सतत एवं सार्थक संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने 'वातार्लाप' पहल के उद्देश्य, इसकी उपयोगिता तथा जनहितकारी योजनाओं की सही एवं तथ्यपरक जानकारी आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। पत्र सूचना कार्यालय, रांची के मीडिया एवं संचार अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने केंद्र सरकार की पिछले 12 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी दी। तकनीकी सत्र में झारखंड दूरदर्शन समाचार इकाई के प्रमुख एवं सहायक निदेशक श्री दिवाकर कुमार ने ड्रोन दीदी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कृषि विज्ञान केंद्र, पूर्वी सिंहभूम के वरिष्ठ वैज्ञानिक सुरेंद्र सिंह मुंडा ने वैज्ञानिक खेती एवं नई तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर प्रकाश डाला। पीआईबी, रांची के कार्यालय प्रमुख गौरव कुमार पुष्कर ने पत्रकार कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। पद्मश्री एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री बलबीर दत्त ने विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सकारात्मक एवं उत्तरदायी मीडिया की भूमिका पर बल दिया। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ांचानन उरांव ने किसान हित को लेकर विचार साझा किए। प्रश्नोत्तर सत्र के बाद कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पीआईबी रांची की यंग प्रोफेशनल शिवानी कुमारी केसरी ने पीआईबी की कार्यशैली पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सूचना सहायक प्रिंस कुमार, यंग प्रोफेशनल शिवेंद्र नाथ तिवारी तथा अन्य कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने किया एसआईआर कार्यक्रम का निरीक्षण

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमन्त सती ने आज जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज 3 जुलाई को विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित बीएलओ से गणना प्रपत्रों के वितरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा बीएलओ द्वारा भरे जा रहे गणना प्रपत्रों की प्रविष्टियों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बीएलओ को निर्देश दिया कि यह कार्य निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। इसलिए गणना प्रपत्रों के वितरण एवं उन्हें भरवाने का कार्य पूरी गंभीरता, शुद्धता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का सफल एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने राजकीय मध्य विद्यालय, कूद एवं राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिरसी स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए सभी प्रपत्रों का समय पर संकलन एवं सत्यापन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे।

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, हजारीबाग

निविदा निरस्तीकरण सूचना

पत्रांक– 107/XXX/IV/26 दिनांक– 02/07/2026

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि PR 381585 Art Culture Sports and Youth Affairs(26-27)D द्वारा आवासीय बालिका क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र (फुटबॉल एवं एथलेटिक्स) के 50 प्रशिक्षुओं को भोजनादि उपलब्ध कराने हेतु प्रकाशित निविदा केवल 02 निविदादाताओं के द्वारा ही निविदा समर्पित की गई है। अतः उक्त निविदा निरस्त किया जाता है।

उक्त निविदा संबंध में आगे की कार्रवाई पृथक से नई निविदा आमंत्रित कर नियमानुसार की जायेगी।

ह0/–
उप विकास आयुक्त,
हजारीबाग

PR.NO.383909 Art Culture Sports and Youth Affairs(26-27):D

आजीविका महिला संकुल संगठन बरमसिया में कर्मी द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर पैसे निकासी को लेकर की शिकायत

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के जेएसएलपीएस बरहेट अंतर्गत आजीविका महिला संकुल संगठन बरमसिया में एक कर्मी द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर पैसे निकासी का मामला प्रकाश में आया है इसकी जानकारी संकुल स्तरीय संगठन बरमसिया के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष ने जानकारी दी। सीएलएफ बरमसिया के अध्यक्ष तमिना बीबी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि 5 जून 2026 को बिना सीएलएफ अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, का चेक पर फर्जी हस्ताक्षर कर पैसा निकासी का प्रयास किया गया है इसकी जानकारी हम लोगों को ब्रांच मैनेजर बरमसिया के द्वारा मिली। बताया कि सीएलएफ के आईआरपी, अकाउंटेंट, सीएलएफ सचिव द्वारा के खाता संख्या 39886086924 व चेक संख्या 966560 पर चेक पर हम दोनों का फर्जी हस्ताक्षर कर पैसे निकासी का प्रयास बैंक में किया गया है, जो चेक पर 21930 रुपया है। हम लोगों ने इसकी जानकारी बीपीएम

हरेन्द्र चौबे, को भी लिखित सूचना दी, लेकिन उन्होंने हम लोगों के साथ धमकी भरा लिहाजा में बात करते हुए कहा की इधर-उधर शिकायत की तो एक मिनट में सीएलएफ के पद से हटवा देंगे, और अभद्र व्यवहार किया गया। तत्पश्चात जिले के वरीय पदाधिकारी को भी लिखित सूचना अवगत कराया गया है। वही पत्र लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को मिलकर मामले के अवगत करने पहुंची, लेकिन पदाधिकारी क्षेत्र में नहीं रहने के कारण कार्यालय में उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। वही मामले को लेकर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मार्टिन तारिक ने कहा की आवेदन प्राप्त हुआ है, प्रखंड स्तरीय जांच कमिटी के गठन किया गया है।

दलमा में आषाढ़ी पूजा संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : जब पूरा शहर एसी में बैठकर मानसून की बाट जोहता है, तब दलमा की तलहटी में बसा आदिवासी समाज हल को पकड़े, बीज की पोटली लेकर पहाड़ चढ़ता है। कारण एक ही - धरती मां से फसल का वादा लेने से पहले, शक्ति पीठ से आशीर्वाद लेना जरूरी है। आषाढ़ माह के पावन अवसर पर ऐतिहासिक दलमा शक्ति पीठ पर वार्षिक आषाढ़ी पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान व आदिवासी परंपरा से संपन्न हुई। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दलमा से खुशहाल खेत-खलिहान, भरपूर फसल, और रोग-दोष मुक्त जीवनकी मन्नत मांगी।पूजा का मर्मः पहले प्रकृति, फिर पेट परंपरागत नाया/पुजारी दीनबंधु सिंह कार्तिक सिंह लाया के नेतृत्व में सुबह से ही पूजा शुरू हुई। पहाड़, जंगल, जल, जमीन और जानवर- इन पांच तत्वों की पूजा कर प्रकृति को साधा गया। नाया ने दलमा शक्ति पीठ से कहा - हे दलमा, बीज को अंकुर दे, अंकुर को बाल दे, बाल को दाना दे। पूरे

क्षेत्र को खलिहान भर दे, ताकि कोई बच्चा भूखा न सोए।पूजा में बकरे की बलि चढ़ाकर आदिम परंपरा निभाई गई। मान्यता है कि आषाढ़ी पूजा के बाद ही धान की रोपनी शुरू होती है। इसके बिना बीज धरती नहीं पकड़ता।चुआड़ सेना की गूंजः संस्कृति की पहरेदारी इस वर्ष की पूजा की सबसे बड़ी ताकत बनी आदिवासी भूमिज मुंडा चुआड़ सेना की उपस्थिति। पारंपरिक वेशभूषा, सैकड़ों युवाओं ने शक्ति पीठ की परिक्रमा कर संकल्प लिया - जल, जंगल, जमीन और जाहेर थान की रक्षा हमारा धर्म है। चुआड़ सेना के उपाध्यक्ष श्री निर्मल सरदार ने कहा - हमारे पुरखों ने दलमा को देवता माना है। सरकार इसे पर्यटन स्थल बना रही है। पर हम बता दें - दलमा पहले शक्ति पीठ है, पिकनिक स्पॉट बाद में पूजा-स्थल पर गंदगी, शराब, डीजे किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।आषाढ़ी पूजा अर्थात आदिवासी समाज में खेती का नया साल आषाढ़ी पूजा से शुरू होता है। सीएनटी का जीवित दस्तावेज- ये पूजा सबूत है कि दलमा के पहाड़ों पर आदिवासी का धार्मिक अधिकार सदियों से है। वन अधिकार कानून 2006 धारा 3(1)(i) इसी हक को मान्यता देता है। पूजा के बाद प्रसाद स्वरूप खिचड़ी भोग का वितरण हुआ। वृद्ध-महिला-बच्चों ने पहाड़ पर ही पंगत में बैठकर भोजन किया। ग्रामीण व श्रद्धालुओं का संदेशः सरकार हमसे डिजिटल इंडिया मांगती है, पर हम पहले खुशहाल खेत-खलिहान मांगते हैं। मोबाईल टावर से पेट नहीं भरता, दलमा के आशीर्वाद से भरता है।

पुलिस का अड्डेबाजी और मनचलों पर विशेष अभियान, 59 मनचले हिदायत पर छोड़े, 1 गिरफ्तार

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार बीते रात्रि जिले में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। जिले में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में विशेष छापामारी अभियान चलाया गया। उक्त अभियान में जिले से सभी थाना प्रभारी की उपस्थिति में कुल 46 टीम गठित की गई थीं। उक्त गठित टीम में 177 पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया था। गठित टीम के द्वारा अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के कुल 108 ठिकानों पर छापामारी की गई। उक्त टीम के द्वारा छापामारी अभियान के दौरान कुल 59 मनचले व्यक्तियों को थाना लाया गया एवं पीआर बांड पर हिदायत देते हुए छोड़ दिया गया तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, कोडरमा

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नवलशाही थाना अन्तर्गत एक लापता बच्ची, जिसका हुलिया इस प्रकार है। उम्र–16 वर्ष, रंग–गोरा, लम्बाई 04'10'' है, यदि किसी को उक्त गुमशुदा/अपहृत बोबी कुमारी उर्फ मुस्कान, पिता–कारु तुरिया, के बारे में जानकारी मिले तो इसकी सूचना निम्नलिखित पता/मोबाईल नंबर पर दें।

पुलिस अधीक्षक, कोडरमा :– 9431706350, 06534–252868,
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कोडरमा :– 9572540111,
थाना प्रभारी नवलशाही :– 7903032771,

पुलिस अधीक्षक,
कोडरमा

PR 383956 Police (26-27)_D

विधायक के प्रयास से कपाली नगर परिषद की 5 महत्वपूर्ण सड़कों को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ की विधायक सविता महतो के लगातार प्रयासों से कपाली नगर परिषद क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को बड़ी गति मिली है। नगर परिषद क्षेत्र की छह महत्वपूर्ण सड़क निर्माण योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के साथ ही इनका टेंडर भी जारी कर दिया गया है। इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और विभिन्न वार्डों में वर्षों से चली आ रही सड़क की समस्या का समाधान होगा। स्वीकृत योजनाओं में वार्ड संख्या-14 में शकील के घर से हरि मंदिर होते हुए फैयाज के घर

से रियाज सर के घर तक 1800 फीट पीसीसी सड़क निर्माण, वार्ड संख्या-1 में कुमार के घर से अफरोज के घर होते हुए डेमडुबी मस्जिद तक 2200 फीट पीसीसी सड़क निर्माण, वार्ड संख्या-16 के डांगोडीह क्षेत्र में सब्जी मार्केट से सामुदायिक भवन, मुकर्रम मस्जिद होते हुए बड़े नाले तक लगभग एक किलोमीटर ब्लैकटॉप सड़क निर्माण, वार्ड संख्या-15 में रहमतनगर केला गोदाम से शहीद बगान तक 1500 फीट पीसीसी सड़क निर्माण तथा वार्ड संख्या-13 में शौकत के घर से मेहबूब भाई के घर के आगे तक 1500 फीट पीसीसी सड़क निर्माण शामिल है। विधायक सविता महतो ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी और क्षेत्र का विकास और तेजी से आगे बढ़ेगा।

डालसा ने लगाया जागरूकता शिविर

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : नालसा दिल्ली झालसा रांची एवं डालसा जमशेदपुर के द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूक सह जनसंपर्क अभियान के तहत पटमदा पंचायत पहुंचा डालसा का न्याय रथ पटमदा पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर लगाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के एल.ए.डी.सी अभिनव कुमार श्रीवास्तव एवं अधिवक्ता सुभम शर्मा उपस्थित थे। उनके द्वारा डालसा के कार्य और उद्देश्य, बाल विवाह,बाल श्रम, डायन प्रथा, नशा मुक्ति,पोस्को एक्ट आदि के बारे में जागरूक किया गया एवं नालसा का हेल्फ लाइन नंबर 15100 एवम चाइल्ड लाइन नंबर 1098 के माध्यम से हम कैसे मदद पा सकते हैं। इस बात की

जानकारी दिया। ग्रामीणों एवं महिलाओ को डालसा जमशेदपुर से आये एल ए डी सी ने कोई भी आपराधिक मामले की अगर जानकारी हो तो निडर हो कर स्थानीय थाना में या डालसा कार्यालय में शिकायत करने को कहा शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाएगी। कार्यक्रम में पटमदा पंचायत के मुखिया परमेश्वर सिंह, ग्राम प्रधान बाघाम्बर सिंह, पंचायत सचिव राजकुमार, रोजगार सेवक एवं डालसा के पी एल वी शिब शंकर महतो, नंदा रजक, फटिक चंद्र महतो, बुधेश्वर मुर्मू, लक्ष्मीकांत गोप, सुजय दत्ता एवं विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

इश्तिहार का प्रकाशन सरकार बनाम

01. **नसीम अंसारी,** पिता–युनुस अंसारी, 2. **रविसाहु,**पिता–रामधनी साहु, दोनों सा0–सलगाये, थाना–चान्हो, 3. **कृ'णा बड़ाईक,** पिता–जलेश्वरबड़ाईक, सा0–सिंगारसराय, एवं4. **लिबान्स कुजुर,** पिता–जोवाकिम कुजुर, सा0–कैरो, दोनों थाना–बेड़ो, चारो जिला–राँची, झारखण्ड।

कोलेबिरा थानाकाण्ड सं0–17/2024, दिनांक–03.04.2024, धारा–379/34 भा0द0वि0।

टाप सभी को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वाद में आप सभी के विरूद्ध **दिनांक–18.06.2026** को इश्तिहार माननीय Chief Judicial Magistrate, Simdega के द्वारा जारी किया गयाहै।

अतः आप सभी से इस प्रकाशन के जरिए आग्रह किया जाता है कि प्रकाशन की तिथि से तीस (30) दिनों के भीतर उपस्थित होकर Chief Judicial Magistrate, Simdega के पास अपना पक्ष रखें। इसे ताकिद जानें।

PR 383968 (Simdega)26-27*D
पुलिस अधीक्षक,सिमडेगा

झारखण्ड सरकार,
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, रांची
(उद्यान प्रभाग)
कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, सिमडेगा
Email Id-simdegaagriculture@gmail.com.com

आम सूचना

विभागीय राज्यादेश सं0– 29 दिनांक 24.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष–2026–27 में उद्यान विकास की योजना अन्तर्गत उपयोजना "**प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग**" के प्राप्त लक्ष्य के अनुसार शहरी इलाकों एवं उनसे सटे हुए आस–पास के शहरी क्षेत्रों में बसे हुए परिवार के घरों के आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्डों सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्ता युक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु इच्छुक लाभुकों से आवेदन की माँग की जाती है। इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में शतप्रतिशत अनुदान पर एवं निजी व्यक्तियों के Terrace Gardening एवं आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्ड़ों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु **दिनांक 17.07.2026** तक जिला उद्यान कार्यालय, सिमडेगा में आवेदन जमा कर सकते हैं।

नोटः–
1. ST, SC तथा लघु ,सीमांत एवं महिला कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. अपूर्ण आवेदन स्वतः रद्द समझा जायेगा।
3. योजना के संदर्भ में विशेष जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र की प्राप्ति हेतु जिला उद्यान कार्यालय, सिमडेगा से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी
सिमडेगा

PR 383929 Simdega(26-27).D

राह चल रहे युवक को बाइक ने मारी टक्कर हुई मौत, अब कौन उठाएगा शशि के घर की जिम्मेदारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रांची प्लस अस्पताल में इलाजरत के दौरान हुई मौत पर पीड़ीत परिजनों और ग्रामीणों ने शशि कुमार का पार्थिव शरीर को पदमा थाना परिसर में रखकर जमकर हंगामा किया साथ ही शशि कुमार के आकस्मिक मौत पर पीड़ित परिवार ने मुआवजा और दोषीयो पर कठोर कार्रवाई की मांग की ।परिजनों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया है तय समय पर अगर इलाज के पैसे मिल जाते तो आज शशि कुमार का जान बच जाती , पैसो के आभाव में गई शशि की जान।

अब कौन उठाएगा गरीब परिवार की जिम्मेदारी

पदमा प्रखंड के हवा महल के समीप स्थित अशोक गेट के पास

बीते 30 जून को एक बाईक चालक सवार आशिष राय ने पैदल चल रहे पदमा गांव के निवासी शशि कुमार को जोरदार टक्कर मर दी। जिसमें शशि कुमार को सिर और शरीर में काफी गंभीर चोटें आई । उसे तुरंत आनन-फानन में आरोग्य अस्पताल हजारीबाग में इलाज के लिए लाया गया जहां शशि कुमार को रांची प्लस अस्पताल रेफर कर दिया गया परंतु 3 दिन तक रांची में प्लस अस्पताल में चले इलाज के दौरान भी शशि कुमार की जान नहीं बच पाई । वहां के घटनास्थल पर चश्मदीदों और ग्रामीणों ने बताया कि बाईक पर सवार आशिष राय उर्फ हैप्पी पिता- नागेश्वर राय जो जेएपीटीसी में आवासीय आवास का रहने वाला है। जेएपीटीसी में आशिष राय के पिता सरकारी तख्त पर कार्यरत हैं जोकि नशें में धूत था। शशि हर शाम की तरह टहलने के निकला था कि और तेज रफ्तार बाइक जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी शशि के शरीर से रक्त रुकने का नाम नहीं ले रहा था। हमने तुरंत अस्पताल के लिए गाड़ी की व्यवस्था की और शशि के परिजनों संपर्क करके सूचना दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मात्र 29 वर्ष का शशि कुमार घर का इकलौता कमाने वाला लड़का था, छोटी मोटी मजदूरी करके जीवन यापन करता था।जिससे दो विधवा बहनों और थोड़ी मानसिक रूप एक बड़ा भाई और मां का भरण-पोषण करता था। शशि के चले जाने से घर और प्रखंड में मातम का सन्नाटा पसरा। इसी को लेकर पदमा थाना का घेराव के लिए पहूंचे परिजन और ग्रामीण ।हालांकि पदमा थाना ओ.पी परिसर में घंटों तक चले थाना प्रभारी और ग्रामीणों के बीच हो हंगामा फिर बरही अनुमंडलीय एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर और इंस्पेक्टर अनिल कुमार के पदमा थाना ओ.पी पहुंचने के बाद कमान संभालते ही मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत शांत कराया गया। तुरंत गाड़ी को जब्त कर लिया गया और दोषियों के ऊपर सुसंगत धाराओं में केस दर्ज किया गया और आश्वासन दिया गया कि फारार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही प्रशासन ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और हर संभव पीड़ित परिवार को मदद करने की बात की । फिर परिजन और ग्रामीणों ने शव को अंतिम संस्कार के लिए पहूंचे ।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा

अल्पकालीन बन्दोबस्ती हेतु खुले डाक की सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिमडेगा जिला के विभिन्न प्रखण्डों में अवस्थित राजस्व जलकरों की वित्तीय वर्ष 2026–27 से 2028–29 (1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2029) तक के लिए अल्पकालीन बंदोबस्ती अद्योहस्ताक्षरी की उपस्थिति में खुले डाक द्वारा दिनांक–18.07.2026 को 12:00 बजे अपराह्न में अंचल कार्यालय, कोलेबिरा में अपर समाहर्त्ता, सिमडेगा के उपस्थिति में किया जाएगा।

बंदोबस्ती हेत जलकरों की सूची :–

क्र0 सं0	जलकरों का नाम	ग्राम	पंचायत	प्रखण्ड	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा सं0	जलक्षेत्र	सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	कोलेबिराथानातालाब	कोलेबिरा	कोलेबिरा	कोलेबिरा	164	6, 1185, 1186	1.02, 1.07	1.65	63800.00	

डाक की शर्ते:–डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को डाक बोली के पूर्व सुरक्षित जमा राशि का 20 प्रतिशत, प्रतिभूति राशि के रूप में जमा करना होगा। यदि डाक के समय डाक की बोली बढ़ती है तो बीच–बीच में सुरक्षित जमा राशि का 20 प्रतिशत राशि जमा करना होगा। डाक समाप्त होने पर उच्चतम डाक वक्ता को छोड़ कर बाकी प्रतिभागियों की प्रतिभूति राशि वापस कर दी जाएगी एवं उच्चतम डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि उच्चतम डाक की राशि में समायोजित की जाएगी। डाक में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपना पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। अल्पकालीन बन्दोबस्ती की अवधि तालाब/जलकर के अभ्युक्ति कॉलम के अनुसार होगी। डाक की स्वीकृति के पश्चात् उच्चतम डाक वक्ता को संबंधित एकरानामा करना अनिवार्य है एवं अद्योहस्ताक्षरी से परवाना प्राप्त किये बिना उक्त जलकर में उच्चतम डाकवक्ता कोई कार्य नहीं करेंगे। बंदोबस्त तालाब का निबंधन, निबंधन कार्यालय द्वारा निर्धारित राशि का स्टॉम्प शुल्क देकर निबंधन कराना अनिवार्य है। निबंधन के पश्चात् ही कार्यालय से परवाना निर्गत किया जाएगा। अद्योहस्ताक्षरी को किसी भी समय किसी भी बोली को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

PR.NO.383949 Simdega(26-27):D
जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा।

एक नजर

विजैया में मो क्यूम ने पुराना चांदसी दवा खाना का किया उद्घाटन

बरही : बरही प्रखंड के गुड़ियों बैंक मोड़ पर शुक्रवार को पुराना चांदसी दवाखाना का शुभारंभ समाजसेवी एवं अल्पसंख्यक कल्याण समिति के अध्यक्ष मो. क्युम ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर मो. क्युम ने कहा कि क्षेत्र में चांदसी दवाखाना खुलने से स्थानीय लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि यहां छोटे-छोटे घाव, दाद, खुजली, एक्जिमा, बवासीर, मलेरिया, बुखार, सर्दी-खांसी, सफेद दाग तथा विभिन्न स्त्री रोगों का कम खर्च में उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को दूर-दराज जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।उद्घाटन समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता पप्पू खान, डॉ. घोष, ताहिर हुसैन, सबदर अंसारी, अख्तर मौलवी, शौकत अली, वाजिद अली, शमशेर आलम, मुबारक अंसारी, शमीम अंसारी, मो. जिब्राइल, अब्दुल कलाम, तैयब अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रथयात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद, सुरक्षा व्यवस्था होगी चाक-चौबंद

चौपारण : आगामी 16 जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर शुक्रवार को चौपारण थाना में एसडीओ जोहान टुडु की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों एवं दोनों रथयात्रा आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों की संयुक्त समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, रूट चार्ट तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं सहित सभी आवश्यक तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस वर्ष रथयात्रा में करीब 50 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई गई। बैठक में डीएसपी राधा प्रेम किशोर, सीओ संजय यादव, बीडीओ नितेश भास्कर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं दोनों रथयात्रा समितियों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद डीएसपी ने अधिकारियों के साथ रथयात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सड़क के गड्ढों की मरम्मत, अवरोध हटाने, साफ-सफाई दुरुस्त करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कंपनी को रथयात्रा से पहले आवश्यक कार्य पूरा करने को कहा गया। बैठक में रथयात्रा के दिन महाराजगंज के साप्ताहिक हाट का आयोजन नहीं करने तथा मांस, मछली और शराब की बिक्री पर रोक लगाने का प्रस्ताव भी रखा गया, ताकि धार्मिक वातावरण एवं यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि दोनों आयोजन समितियों के समन्वय से रथयात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

ईएसएल स्किल स्कूल से 52 युवाओं को सम्मान

प्रमाण पत्र और नियुक्ति पत्र वितरित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा संचालित ईएसएल स्किल स्कूल में शुक्रवार को प्रमाण पत्र, नियुक्ति पत्र (ऑफर लेटर) वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कौशल विकास प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं का सम्मान करने के साथ उन्हें रोजगार से जोड़ना था। कंपनी ने इसे स्थानीय युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।
कार्यक्रम में नाबार्ड की डीडीएम सुरैना राजन, ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी प्रह्लाद रावत, सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा, प्रोग्राम मैनेजर बीरेंद्र कुमार और अरुण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कौशल विकास से आत्मनिर्भर बन रहे युवा

ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा कि कौशल विकास सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि ईएसएल स्किल स्कूल के माध्यम से युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर सम्मानजनक रोजगार से जोड़ा जा रहा है। कंपनी का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और क्षेत्र के समावेशी विकास में योगदान देना है।

प्रशिक्षुओं को मिले प्रमाण पत्र, नियुक्ति पत्र और टूलकिट

समारोह में कुल 52 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इनमें 16 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र, 18 युवाओं को विभिन्न संस्थानों के नियुक्ति पत्र तथा एसपीवीआई और एफटीओएचए बैच के 47 प्रशिक्षुओं को रोजगार के लिए आवश्यक टूलकिट प्रदान किए गए।

मुख्य वित्तीय अधिकारी प्रह्लाद रावत ने कहा कि कौशल विकास युवाओं के भविष्य में किया गया सबसे महत्वपूर्ण निवेश है। उद्योग की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण से युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं और क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिल रही है।
कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण से उनके तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास और रोजगार की संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन और सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी -4, में कौशल शिक्षा (स्किल एजुकेशन) के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कक्षा 8 से 12 तक के लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
मासिक धर्म स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम, जल शक्ति अभियान आदि विषयों पर पोस्टर निर्माण एवं चित्र-कोलाज जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।
इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि कौशल शिक्षा आत्मनिर्भर और उत्तरदायी नागरिक निर्माण का

सशक्त माध्यम है और आज के युग में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवनोपयोगी कौशल, रचनात्मक सोच तथा सामाजिक संवेदनशीलता का विकास भी अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और सृजनात्मक गतिविधियों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करते हैं।
इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनके? कौशल प्रदर्शन में सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने वाले शिक्षकों को भी उनके प्रयासों और समर्पण के लिए सराहा गया।

महापौर व उप महापौर की अध्यक्षता में एचएलएमसी की बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बैठक का मुख्य उद्देश्य चास नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में ऐसी बड़ी विकास योजनाओं की पहचान करना था, जो अभी तक धरातल पर नहीं उतर सकी हैं। इसके लिए सभी वार्ड पार्षदों से अपने-अपने लेटर पैड पर अधिकतम ?50 लाख तक की विकास योजनाओं का प्रस्ताव उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, ताकि उनकी अनुशंसा कर उन्हें शीघ्र स्वीकृति दिलाते हुए धरातल पर उतारा जा सके।
इन योजनाओं के क्रियान्वयन से नगर निगम क्षेत्र के हजारों नागरिक लाभान्वित होंगे तथा सभी वार्डों में विकास को नई गति मिलेगी। योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण, एलईडी स्ट्रीट लाइट की स्थापना, सामुदायिक भवन का निर्माण तथा वार्ड विकास केंद्र जैसी महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा।
बैठक में चास नगर निगम के सभी वार्ड पार्षद उपस्थित रहे एवं उन्होंने अपने-अपने वार्डों की विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत किए।

रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम में दक्ष होंगे कबड्डी तकनीकी पदाधिकारीगण : गोपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कबड्डी खेल के तकनीकी नियमों में काफी बदलाव आए हैं, प्रतिस्पर्धा के इस दौर में इन्हीं नियमों से पारंगत होने के लिए प्रशिक्षित होना अनिवार्य है और ऐसे ही रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम से तकनीकी पदाधिकारीगण दक्ष हो सकते है। उक्त बातें कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने तीन दिवसीय कबड्डी तकनीकी पदाधिकारियों के राष्ट्रीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही ।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित तकनीकी पदाधिकारीगण इंटरनेशनल ट्रेनर के. जगमोहन एवं तेजनारायण प्रसाद माधव से कबड्डी के नए गुर सीखकर आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तकनीकी

पहलुओं पर कार्य करेंगे।
होटल आर्यन इंटरनेशनल, जैनामोड़, बोकारो में शुक्रवार को शुभारंभ हुए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का संचालन संघ के पूर्व महासचिव एवं झारखण्ड ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह ने किया ।
एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा निर्दिष्ट इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले चरण में केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं झारखण्ड राज्य के 60 तकनीकी पदाधिकारीगण प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है ।

यदवंश नगर की बेटी निधि कुमारी को बीपीएससी में सफलता पर किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास नगर निगम क्षेत्र के यदवंश नगर में बीपीएससी परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर राजस्व विभाग में पदाधिकारी के रूप में नियुक्ति पाने वाली प्रतिभाशाली छात्रा निधि कुमारी को सम्मानित किया गया।
इस अवसर पर माननीय महापौर श्री भोलू पासवान, माननीय उप महापौर श्रीमती पूजा कुमारी तथा वार्ड संख्या 25 की माननीय वार्ड पार्षद श्रीमती बबिता देवी ने निधि कुमारी को बुके एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।
कार्यक्रम के दौरान निधि कुमारी के पिता श्री जोहार लाल प्रसाद को भी बधाई दी गई एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि निधि

कुमारी की यह उपलब्धि पूरे चास नगर निगम एवं यदवंश नगर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता क्षेत्र के युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।
माननीय महापौर, उप महापौर एवं वार्ड पार्षद ने आशा व्यक्त की कि निधि कुमारी भविष्य में भी अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए समाज एवं राज्य का नाम रोशन करेंगी।
इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और सभी ने निधि कुमारी को उनकी उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

बीएसएल के मिल क्षेत्रों में ग्राहक-केंद्रित कार्य संस्कृति पर कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के कोल्ड रोलिंग मिल-क्क्क में मिल ऑपरेटर से प्रोडक्ट मैनेजर विषय पर उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग के तहत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में यह समझ विकसित करना था कि किसी भी उद्योग की सफलता केवल अधिक उत्पादन पर नहीं, बल्कि ग्राहकों की जरूरतों को समझकर उन्हें बेहतर गुणवत्ता का उत्पाद और सेवा उपलब्ध कराने पर निर्भर करती है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) द्वारा किया गया। यह पहल मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-क्क्क) के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य विनिर्माण प्रक्रियाओं को ग्राहकों की अपेक्षाओं एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाना रहा।
इस अवसर पर साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के प्रबंधन संकाय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश रोशन दास गुरु ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से बताया कि संयंत्र में कार्यरत प्रत्येक विभाग, चाहे वह अनुरक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता या अभियांत्रिकी हो, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ग्राहकों की संतुष्टि से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि मशीनों का बेहतर रखरखाव, उत्पादन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद ग्राहकों का विश्वास मजबूत करते हैं तथा संस्थान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि सेल और सीआरएम-क्क्कर्की सफलता अंततः ग्राहकों के विश्वास और संतुष्टि पर निर्भर करती है। डॉ. दास गुरु ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे केवल उत्पादन लक्ष्य तक सीमित न रहें, बल्कि इससे आगे बढ़ते हुए अपने प्रत्येक कार्य को ग्राहक मूल्य सृजन तथा सतत व्यावसायिक विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य से जोड़कर काम करें। यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र में सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों को ग्राहकों की अपेक्षाओं के प्रति और अधिक जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बीएसएल के परियोजना विभाग में सुरक्षा सम्मान समारोह आयोजित

बोकारो इस्पात संयंत्र के परियोजना विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में सुरक्षा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर-इंचार्ज, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों एवं श्रमिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सुरक्षित कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना, संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों एवं नियमों के अनिवार्य अनुपालन को सुनिश्चित करना था. सुरक्षा सम्मान समारोह में सुरक्षा जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी को सर्वप्रथम सुरक्षा प्रतिज्ञा दिलाई गई तथा सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान, सुरक्षा संबंधी चुनौतियों एवं उनके प्रभावी समाधान पर भी चर्चा की गई। उपस्थित अधिकारियों ने अपने संबोधन में श्रमिकों से सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने तथा सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दो नियमित कर्मचारियों एवं दस ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभागियों ने भी सुरक्षा, सतर्कता, संभावित खतरों और उनके निवारण से संबंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में परियोजना विभाग की ओर से सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थितजनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो में ट्रैफिक अभियान: 29 ऑटो चालकों से 76,650 रुपये जुमार्ना वसूला

बोकारो : शहर में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से शुक्रवार को विशेष जांच अभियान चलाया गया। डीएसपी ट्रैफिक अजय प्रसाद के नेतृत्व में चले इस अभियान के दौरान कुल 150 ऑटो की जांच की गई, जिसमें 29 चालक मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करते पाए गए। इनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुल 76,650 रुपये जुमार्ना वसूला। अभियान के दौरान चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन फिटनेस, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की गई। डीएसपी अजय प्रसाद ने कहा कि यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चलाया गया है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लिपिकीय संवर्ग नियमावली-2026 को मिली मंजूरी: जिला कर्मचारी संघ ने डीसी को किया सम्मानित, जताया आभार

बोकारो : शुक्रवार को झारखंड राज्य समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग (भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्तें) नियमावली-2026 के गठन को राज्य मंत्रिपरिषद से स्वीकृति मिलने के बाद जिला कर्मचारी संघ, बोकारो ने उपायुक्त अजय नाथ झा से शिष्टाचार भेंट की। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित इस मुलाकात के दौरान संघ के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्य सरकार के इस महत्वपूर्ण निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि नई नियमावली के लागू होने से समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग के कर्मियों को स्पष्ट सेवा शर्तें मिलेंगी, जिससे कार्य प्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने इसे कर्मियों के हित में एक ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया। इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने संघ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में अहम पहल है। उन्होंने सभी कर्मियों से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीआरडीए निदेशक पूर्णिमा कुमारी सहित जिला कर्मचारी संघ के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अड्डेबाजी और मनचलों पर विशेष अभियान 59 मनचले हिदायत पर छोड़े, 1 गिरफ्तार

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार बीते रात्रि जिले में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया।जिले में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में विशेष छापामारी अभियान चलाया गया। उक्त अभियान में जिले से सभी थाना प्रभारी की उपस्थिति में कुल 46 टीम गठित की गई थीं। उक्त गठित टीम में 177 पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया था। गठित टीम के द्वारा अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के कुल 108 ठिकानों पर छापामारी की गई। उक्त टीम के द्वारा छापामारी अभियान के दौरान कुल 59 मनचले व्यक्तियों को थाना लाया गया एवं पीआर बांड पर हिदायत देते हुए छोड़ दिया गया तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम जनों से अपील की गई है कि आपके इलाके में ऐसे कोई मनचले व्यक्ति या वैसी जगह जहां अड्डेबाजी होती हो उसकी सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना को दें, तत्काल उक्त सूचना का सत्यापन करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिसकर्मी के बेटे द्वारा युवक पर बेरहमी से मारपीट, एएसआई निलंबित, एफआईआर दर्ज

बोकारो : बोकारो शहर के नया मोड़ के पास एक वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है जिसमें एक युवक को बेरहमी से पीटा जाता दिख रहा है जबकि मौजूद एक पुलिसकर्मी उसे छेड़छाड़ होने से रोकने के बजाय घुटनों तक पकड़े हुए हैं। घटना सिटी थाना क्षेत्र के अंदर घटित हुई। क्या हुआ: प्राप्त वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि विवाद के बाद मारपीट शुरू हो जाती है। मारपीट कर रहा युवक कथित तौर पर एक आरक्षक का बेटा बताया जा रहा है, जबकि पीड़ित युवक स्थानीय मुखिया का पुत्र बताया गया है। पेट्रोलिंग पुलिस मौके पर पहुंचती है, लेकिन मारपीट को रोकने के बजाय पीटने वाले की बजाय पीड़ित को पकड़े हुए देखा गया। दूसरे मौजूद पुलिसकर्मी भी हस्तक्षेप करते नहीं दिखे। घटना का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और स्थानीय लोगों में रोष फैल गया। प्रशासन की कार्रवाई: वायरल वीडियो के बाद बोकारो एसपी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सिटी थाना में संबंधित आरोपियों के खिलाफ क्क्क दर्ज करने का निर्देश दिया। पुलिस ने आरक्षक और उसके पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई के रूप में संबंधित आरक्षक को लाइन हाजिर करते हुए निलंबित कर दिया गया है। एसपी ने कहा कि पुलिस व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। आगे की कारवाई: पुलिस ने कहा है कि शिकायत और वीडियो के आधार पर घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, उपस्थित लोगों के बयानों और संदिग्धों की पहचान के लिए आवश्यक जांच की जा रही है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जो भी अधिकारी व नागरिक भूमिका में दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय प्रतिक्रिया: वायरल वीडियो के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक संगठन भी घटना की निंदा कर रहे हैं और पुलिस में अनुशासनहीनता के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर न्याय की अपील कर रहे हैं और पीड़ित परिवार के समर्थन में आवाज उठा रहे हैं।

एक सप्ताह में सिंधीपाड़ा डबल चोरी कांड का खुलासा अंतरराज्यीय गिरोह के चार शातिर चोर गिरफ्तार

▸ सोना-चांदी, लैपटॉप, कांसे के बर्तन समेत चोरी का सामान बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला अंतर्गत नगर थाना क्षेत्र के सिंधीपाड़ा में विगत 28/29 जून की रात दो बंद मकानों में हुई लाखों रुपये की चोरी की सनसनीखेज वारदात का पाकुड़ पुलिस ने महज एक सप्ताह के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के अंतरराज्यीय चोर गिरोह के चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी गए सोना-चांदी के आभूषण, लैपटॉप, कांसे के बर्तन, पुराने नोट-सिक्के, घटना में प्रयुक्त औजार तथा मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों ने नगर थाना क्षेत्र में पूर्व में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सिंधीपाड़ा स्थित दो बंद घरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोना-चांदी के आभूषण, एक लैपटॉप, कांसे के बर्तन, नकदी सहित अन्य कीमती सामान की चोरी कर ली थी। मामले में नगर थाना कांड संख्या 159/2026 एवं 160/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम ने मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लगातार छापेमारी करते हुए मात्र एक सप्ताह के भीतर पूरे गिरोह का पदार्फाश कर दिया।

ये अपराधी हुए गिरफ्तार

पुलिस ने मालदा जिले के कालियाचक थाना क्षेत्र के चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें जायदुल शेख उर्फ लठ्ठो शेख (35), शरीफ शेख उर्फ मिठु शेख (32), इशा शेख उर्फ मोहम्मद इशा शेख (28) तथा रोयस मिर्जा (38) शामिल हैं।

बरामद हुआ चोरी का सामान

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का बड़ा हिस्सा बरामद किया है। इसमें 7.06 ग्राम गला हुआ सोना, 97.620 ग्राम गली हुई चांदी, काले रंग की यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल (WB65G6370), डेल कंपनी का सिल्वर रंग का लैपटॉप (चार्जर सहित), कांसे के दो जग, दो कटोरे, एक चम्मच, एक गिलास, चार थालियां और एक लोटा, चोरी किए गए पुराने नोट एवं सिक्के शामिल हैं। इसके अलावा घटना के दौरान चेहरा छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए दो लाल/गेरुआ गमछे, एक हरे रंग की बेडशीट तथा चोरी में प्रयुक्त तीन पेचकस, एक सब्बल और एक सलाई रेंच भी जब्त किए गए हैं।

पहले की चोरी की घटनाओं में भी कबूली संलिप्तता

पुलिस पूछताछ में चारों आरोपियों ने नगर थाना क्षेत्र में पहले हुई चोरी की घटनाओं में भी अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस अब इन मामलों में भी उनसे पूछताछ कर रही है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

अपराध का लंबा इतिहास

गिरफ्तार चारों अपराधियों पर झारखंड और पश्चिम बंगाल के विभिन्न थानों में कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। इनमें पाकुड़ नगर थाना के कई चोरी के मामले, कालियाचक थाना के हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, डकैती की तैयारी, चोरी, रेलवे अधिनियम सहित अन्य संगीन धाराओं के मामले शामिल हैं। विशेष रूप से रोयस मिर्जा, शरीफ शेख और जायदुल शेख के खिलाफ एक दर्जन के करीब आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं।

एक नजर

दहेज प्रताड़ना के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना पुलिस ने एक युवक को दहेज प्रताड़ना के आरोप में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 39/26, दिनांक 10/04/26, धारा 115(2)/85/109(1)/3(5) बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के प्राथमिक अभियुक्त संजय यादव,पिता राजेंद्र यादव, साकिन जयंती ग्राम महादेवगंज, थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर उचित मार्गदर्शी दल के साथ सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करवाने के उपरांत अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

आदर्श हत्याकांड, एक आरोपी ने उगले राज

साहिबगंज: शहर के बंगाली टोला के युवक आदर्श कुमार (20) की हत्या के मामले में आरोपियों की तलाश में पुलिस की दो टीम इस समय बिहार के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर रही है। हालांकि बिहार गई पुलिस की एक अन्य टीम बैरंग लौट आयी है। तीन आरोपियों का मोबाइल लोकेशन मिलने पर यहां से पुलिस की तीन टीम बिहार भेजी गई थी। इनमें से एक टीम शुक्रवार की सुबह बैरंग लौट आयी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कबाड़ी की दुकान चलाने वाले आदर्श की हत्या के मामले में एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ में पुलिस को इस मामले में अहम जानकारी मिली है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया है कि आदर्श के साथ उन लोगों का बीते तीन-चार दिनों से विवाद चल रहा था। इस मामले में पुलिस ने दो किशोर को भी निरूद्ध किया है। आदर्श का अंतिम संस्कार

इधर, सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद आदर्श के शव को सदर अस्पताल के मॉर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। आदर्श की मां का बैंगलुरू में इलाज चल रहा है। उसका दो भाई बैंगलुरू में जॉब करता है। आदर्श की हत्या की खबर सुन दोनों भाई मां के साथ यहां वापस लौट गया है। आदर्श का अंतिम संस्कार आज दोपहर होने की संभावना है। इस मामले में मृतक के चाचा संतोष कुमार ने नगर थाना में आठ नामजद व अन्य के खिलाफ आदर्श की हत्या के मामले में केस दर्ज कराया है।

भीषण गर्मी में नगरवासियों को राहत, पंचायत ने चार स्थानों पर प्याऊ का किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए नगर पंचायत बरहरवा की ओर से नगरवासियों एवं राहगीरों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर के प्रमुख स्थानों पर प्याऊ (पेयजल केंद्र) का शुभारंभ किया गया। नगर के हाटपाड़ा, स्टेशन चौक, राजमहल स्टैंड एवं पतना चौक में स्थापित प्याऊ का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्षा अर्पिता दास, उपाध्यक्ष राजकुमार भगत, वार्ड पार्षद अमित कुमार भारती, शिवकुमार भगत, प्रदीप दास, रवि रामानी एवं संतोष गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान राहगीरों, रिक्शा चालकों, मजदूरों और आम नागरिकों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि गर्मी के पूरे मौसम में इन प्याऊ केंद्रों के माध्यम से लोगों को नियमित रूप से शुद्ध शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मी भी मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए इसे गर्मी के मौसम में जनहित का महत्वपूर्ण कदम बताया।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता इन्यूमरेशन प्रकिया शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड में निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण प्रकिया राज्य भर में शुरू हो चुकी है,प्रत्येक जिले से सभी प्रखंड व नगर पंचायतों में नियमानुसार एस.आई.आर प्रकिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है जिसके आलोक में शुक्रवार को बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या-01 में विशेष कैंप लगाकर ग्रामीणों का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाया गया तथा मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से लोगों को आवश्यक जानकारी दी गई। इस अभियान में काँग्रेस के जिला सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर,वार्ड संख्या 1 के वार्ड पार्षद के पति बमबम महतो एवं बीएलए-2 प्रीतम कुमार दास ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए पात्र मतदाताओं से समय पर अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरने एवं मतदाता सूची में सही जानकारी सुनिश्चित करने की अपील की। हलांकि यह प्रक्रिया सभी वार्डो एवं प्रखंड के पंचायत स्तर पर तेजी से शुरू हो चुकी है,लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है। जिसकी पात्रता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न दस्तावेजों को प्रेषित करने और पूर्ण जानकारी सही सही देने होंगे। जिसकी जानकारी लिखित और मौखिक रूप से प्रशिक्षित बीएलओ द्वारा मतदाताओं को दी जाएगी। ताकि कोई भी अवैध नागरिक मतदाता सूची में न जुटे और मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जा सके।

पाकुड़ के होनहार क्रिकेटर प्रियांशु कुमार का अंडर-19 राज्य टीम कैंप के लिए चयन

▸ उपायुक्त ने खेल किट देकर किया सम्मानित

▸ जिले के खिलाड़ियों के लिए गौरव का क्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ी प्रियांशु कुमार का चयन अंडर-19 राज्य स्तरीय क्रिकेट टीम के प्रशिक्षण शिविर के लिए होने पर पूरे जिले में हर्ष का वातावरण है। प्रियांशु, जिला प्रशासन एवं बीजीआर माइनिंग इंफ्रा लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से संचालित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनकी यह उपलब्धि जिले में खेल प्रतिभाओं के निरंतर निखरते स्तर का प्रमाण है। प्रियांशु इस से पूर्व भी झारखण्ड बालक अंडर16 टीम का प्रतिनिधित्व BCCI द्वारा आयोजित विजय मर्चेंट ट्रॉफी मे कर चूके है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर 05 जुलाई से 18 जुलाई तक रांची में आयोजित होगा, जिसमें प्रियांशु अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रशिक्षण शिविर के उपरांत चयनित खिलाड़ियों को राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने प्रियांशु कुमार को खेल किट प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रियांशु राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले एवं राज्य का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक रणबीर सिंह रानू को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने उनके समर्पण, उत्कृष्ट प्रशिक्षण एवं खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए आगामी सत्र में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। वहीं जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार ने भी प्रियांशु को शुभकामनाएं देते हुए पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और मेहनत के साथ प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रियांशु को रांची प्रशिक्षण शिविर के लिए शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

रास्ते के विवाद में मारपीट, केस दर्ज

साहिबगंज : जिले के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के उत्तरी करमटोला गांव में बीते गुरुवार की सुबह रास्ते को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई। घटना में दोनों पक्षों से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस मामले में प्रथम पक्ष के छोटी कोदरजन्ना के राजा पासवान ने मारपीट व जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करने के आरोप में पांच लोगों पर केस दर्ज कराया है। वहीं दूसरे पक्ष के उत्तर करमटोला के राजेश कुमार राय ने मारपीट एवं छिनतई के आरोप में 6 लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

राज्यपाल से मिले हरेलाल महतो, चांडिल डैम विस्थापितों की समस्याओं और कुड़मालि भाषा की पढ़ाई शुरू कराने की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : विधानसभा के पूर्व एनडीए प्रत्याशी एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के नेतृत्व में शुक्रवार को चांडिल डैम विस्थापितों के एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात कर विस्थापितों की वर्षों पुरानी समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने चांडिल अनुमंडल स्थित सिंहभूम कॉलेज में चालू शैक्षणिक सत्र से कुड़मालि भाषा की पढ़ाई शुरू कराने की भी मांग उठाई। राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में हरेलाल महतो ने बताया कि राज्य की सबसे बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में शामिल स्वर्णरेखा बहुउद्देश्यीय परियोजना के तहत चांडिल डैम के निर्माण के लिए लगभग 42 वर्ष पहले हजारों ग्रामीणों की भूमि अधिग्रहित की गई थी। भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित परिवारों को अपनी पैतृक जमीन, आजीविका, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान तक से वंचित होना पड़ा। उस समय सरकार की ओर से सरकारी नौकरी, पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अधिकांश वादे आज भी अधूरे हैं। ज्ञापन में कहा गया कि चांडिल डैम विस्थापितों की समस्याएं कई बार विधानसभा में भी उठाई गईं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि पुनर्वास एवं अनुदान राशि के भुगतान की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार, अनियमितता, भेदभाव और प्रशासनिक उदासीनता के कारण पात्र विस्थापितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से पात्र विस्थापितों को लंबित मुआवजा राशि का शीघ्र भुगतान, समुचित पुनर्वास, रोजगार, कौशल विकास तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया। साथ ही पुनर्वास नीति के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने, नियमित विशेष शिविर आयोजित करने और जिला स्तर पर स्थायी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ गठित करने की भी मांग रखी। हरेलाल महतो ने चांडिल डैम से जुड़ी एक अन्य महत्वपूर्ण मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बारिश के मौसम में डैम का जलस्तर बढ़ने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के घर-आंगन जलमग्न हो जाते हैं और किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं। इसे देखते हुए चांडिल डैम का जलस्तर 179 आरएल मीटर तक सीमित रखने की मांग की गई। राज्यपाल से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में हरेलाल महतो ने बताया कि राज्यपाल ने उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने चांडिल डैम विस्थापितों की समस्याओं को मुख्यमंत्री एवं संबंधित विभागीय मंत्री के समक्ष भेजने का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान हरेलाल महतो ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में उच्च शिक्षा से जुड़े मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी कुड़मालि भाषा में अध्ययन करना चाहते हैं, लेकिन चांडिल अनुमंडल के एकमात्र डिग्री कॉलेज सिंहभूम कॉलेज, चांडिल में इस विषय की पढ़ाई उपलब्ध नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

हिरणपुर में पंचायत समिति की बैठक संपन्न विभिन्न विभागों की योजनाओं की हुई समीक्षा

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड के घाघरजानी स्थित प्रखंड सभागार में शुक्रवार को प्रभारी प्रमुख सह उपप्रमुख की अध्यक्षता में पंचायत समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी दिलीप टुडू ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हिरणपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए बताया कि आगामी 11 जुलाई से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं के लिए नि:शुल्क बंध्याकरण ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र की पात्र महिलाओं से इस सरकारी स्वास्थ्य सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इसके बाद कृषि, पशुपालन, शिक्षा, पुलिस, पेयजल एवं स्वच्छता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, जेएसएलपीएस, विद्युत सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की गई। पंचायत समिति के सदस्यों ने कई जनसमस्याओं को बैठक में उठाया, जिस पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक के अंत में अंचल अधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित राजस्व विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी पंचायत समिति के सदस्यों को दी। उन्होंने पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बीएसके कॉलेज में विषय हटाने पर एनएसयूआई का विरोध, बहाली नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

साहिबगंज: बी.एस.के. महाविद्यालय, बरहरवा में स्नातक (यूजी) सत्र 2026 – 30 के नामांकन पोर्टल से कई विषय हटाए जाने के विरोध में शुक्रवार को एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। एनएसयूआई कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के माध्यम से सिद्धू – कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू को ज्ञापन सौंप कर हटाए गए विषयों को तत्काल पोर्टल पर पुनः बहाल करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि स्नातक सत्र 2026-30 की नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन बी.एस.के. महाविद्यालय में वर्षों से संचालित उर्दू, संस्कृत, मनोविज्ञान, श्रम एवं समाज कल्याण (एलएसडब्ल्यू) तथा दर्शनशास्त्र जैसे प्रमुख विषय आवेदन पोर्टल से हटा दिए गए हैं। इन विषयों में पूर्व वर्षों में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं नामांकन लेते रहे हैं। बिना किसी पूर्व सूचना या स्पष्ट कारण के इन्हें हटाए जाने से सैकड़ों विद्यार्थियों के भविष्य पर संकट उत्पन्न हो गया है। एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि छात्रों के हित को देखते हुए इन सभी विषयों को तत्काल पोर्टल पर पुनः जोड़ा जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो छात्रों के हित में आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। कॉलेज अध्यक्ष सोयेब अख्तर ने कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के विषयों को हटाना विश्वविद्यालय प्रशासन की मनमानी को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और स्थानीय भाषाओं से जुड़े विषयों को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने की बातें की जाती हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवहारिक स्तर पर इन्हें खत्म करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने सरकार से इस गंभीर मामले में हस्तक्षेप कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सत्यम यादव, कॉलेज सचिव वसीम अकरम, फारिकुल इस्लाम, एनएसयूआई सदस्य शिवम कुमार, मुबारक शेख, छात्र सांझला मुर्मू, आदिल अहमद, अंकित शाह सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जिला परिवहन पदाधिकारी के निदेर्शानुसार तालझारी में दो दिवसीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप संपन्न

साहिबगंज: जिले के तालझारी प्रखंड परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के वाहन चालकों को उनके घर के नजदीक ही लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। मोटरयान निरीक्षक कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा ने कहा कि दो दिनों तक चले इस विशेष कैंप में स्थानीय युवाओं और वाहन चालकों में भारी उत्साह देखा गया। कैंप के दौरान नियमों के सरलीकरण और त्वरित प्रक्रिया के कारण कुल 100 से अधिक चालकों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अपने आवेदन जमा किए। लाइसेंस कैंप के साथ-साथ परिसर में प्रखंड अंचलाधिकारी के द्वारा वृहद सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान उपस्थित सड़क सुरक्षा योद्धा प्रजापति प्रकाश बाबा ने लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरस्पीडिंग न करने और नशे में वाहन न चलाने की शपथ दिलाई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों की संख्या में स्थानीय वाहन चालक उपस्थित थे, जिन्हें यातायात नियमों की मार्गदर्शिका और पंपलेट भी बांटे गए। अंचलाधिकारी ने परिवहन विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंपों से न केवल बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने वालों पर रोक लगेगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

आँक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत-सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफाँस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फाँस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हें।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें। तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्रराण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हें। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

–सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनो मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौरे में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखना होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि

स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजी में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम है। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, फिल सॉल्ट और टॉम बैंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड - हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

–कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनो ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

तीन मैचों की यह एकदिवसीय श्रृंखला क्रमशः 14, 16 और 19 जुलाई को खेली जाएगी। पहला मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में, दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में और निर्णायक तीसरा मैच क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

इस टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। मार्च 2021 के बाद पहली बार एकदिवीसय क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर इंग्लैंड के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। अपनी रफ्तार, बाउंस और यॉर्कर से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आर्चर की वापसी इंग्लैंड के लिए बेहद अहम है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीश को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुँचे

जाग्रेब, क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए खुद को सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है, पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाज़ियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है अब अंतिम दिन उन्हें उज़्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव, जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा का सामना करना है, वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह क़ायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसत्तोरोव और अलीरेजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की, फ़िलहाल फ्रांस के अलीरेजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर है.

फीफा विश्वकप : स्विट्ज़रलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंकूवर (एजेंसी)। ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्ज़रलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्ज़रलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिय।। मैच में योहान मंजाम्बी के एक क्रास पर ब्रिल एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके

बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही।

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्ज़रलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शॉट को रोकने का पूरा प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्ज़रलैंड की ओर से फैबियन रीडर ने इसके बाद एक अच्छा मूव बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्ज़रलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्ज़रलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

'सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा', डेब्यू का इंतजार कर रहे युवा खिलाड़ी पर बोले पूर्व विकेटकीपर

स्पोर्ट्स डेस्क। वैभव सूर्यवंशी का इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है, जबकि उन्हें टीम में शामिल करने की मांग तेज होती जा रही है। 15 साल के इस शानदार बल्लेबाज को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में भी उन्हें जगह नहीं मिली। लगातार बाहर रहने के बावजूद उन्हें लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है। IPL में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों का भरपूर समर्थन मिला है। कई लोगों का मानना है कि उन्हें जल्द ही मौका मिलना चाहिए। लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल का मानना है कि सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा। पटेल ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि इस सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को जरूर मौका मिलेगा। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं।' भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछाड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है। उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन

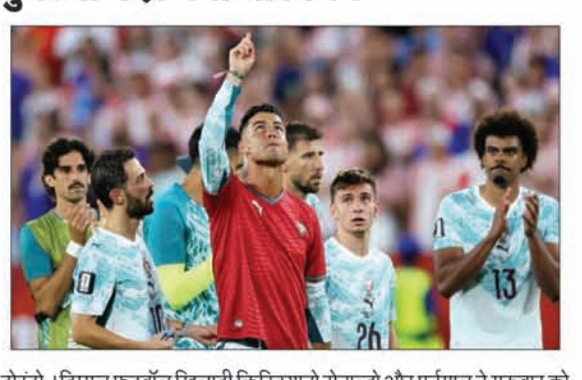

टोरंटो। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2-1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड-ऑफ-32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और भावुक होकर अपने साथियों के साथ इकट्ठा होते हुए आसमान की ओर इशारा किया। शुक्रवार को जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में मृत्यु को ठीक एक साल पूरा हो जाएगा। डियोगो जोटा ने पुर्तगाल के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। रोनाल्डो ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, 'हमें मैच से पहले ही पता था, यह एक बहुत ही खास पल था। आज हम सब मिलकर जीवन के इस संयोग के बारे में बात कर रहे हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि आज की स्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है, न केवल इसलिए कि हमने मैच जीता बल्कि जिस तरह से हमने जीता।'

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर-ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर-ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्माइल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्लाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर-ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफीका की शुरआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटरों, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई घूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदर मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को नई दिशा दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास को भी हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इस ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में हरभजन ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए कुल 32 विकेट झटके। इसी सीरीज में उन्होंने शानदार हैट्रिक ली, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा ली गई पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।

हरभजन की सबसे बड़ी ताकत उनकी आक्रामक शैली, कभी न हार मानने वाला जज्बा और उनकी रहस्यमयी गेंद 'दूसरा' थी। एक ऑफ स्पिनर होते हुए भी गेंद को लेग स्पिनर की तरह बाहर की तरफ निकालने की इस दुर्लभ कला ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी भ्रमित कर दिया। भज्जी केवल टेस्ट क्रिकेट के ही नहीं, बल्कि सीमित ओवरों के भी बेताज बादशाह थे। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से

निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।

सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपत्तियां खारिज

-हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों की अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तकनीकी विवादों पर पहले न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। भारत का आरोप है कि इस प्रक्रिया का पालन किए बिना समानांतर मध्यस्थता शुरू की गई, जिसे उसने स्वीकार नहीं किया। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के महानिदेशक सुजान चिनॉय ने अपने एक विश्लेषण में कहा है, कि भारत ने संधि को स्थगित करने से पहले विश्व बैंक से न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतर्राष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे की कूटनीतिक एवं कानूनी प्रक्रिया पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बागेश्वर धाम पहुंचे अनंत अंबानी, पूजा-अर्चना की, हाथ में थामी गदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने बागेश्वर धाम पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह धीरेंद्र शास्त्री के साथ पूजा में शामिल हुए। एक वीडियो में अनंत को धीरेंद्र शास्त्री के साथ हाथ में गदा थामे देखा गया। धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हैं, वह कथा सुनाते हैं। बता दें कुछ दिन पहले अनंत अंबानी ने आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए थे। इस दौरान उन्होंने वहां की सालों पुरानी धार्मिक परंपरा का पालन करते हुए अपने केश भी दान किए। तिरुमला में केश दान को धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है। श्रद्धालु केश दान को भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और विनम्रता का प्रतीक मानते है। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर या किसी विशेष संकल्प के तहत भी अपने केश अर्पित करते हैं। तिरुमला में केश दान की यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड: पॉलीग्राफी टेस्ट से खुलेगा सच?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोहागढ़ किले पर 18 जून को रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत अब पुलिस जांच में नया मोड़ ले लिया है। केतन की मौत के मामले में मुख्य आरोपी सिया गोयल (20) और उनके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) पर केतन की हत्या करने का आरोप है। पुलिस का मानना है कि इन दोनों ने मिलकर केतन को खाई में धकेला, लेकिन अभी तक कोई सीधा गवाह या ठोस सबूत नहीं मिल पाया है, जिसके कारण जांच में गतिरोध बना हुआ है। इसकारण पुणे पुलिस ने अब इस केस को आगे बढ़ाने के लिए पॉलीग्राफी टेस्ट का सहारा लेने का फैसला किया है और इसके लिए कोर्ट से अनुमति भी मांग ली गई है। पॉलीग्राफी टेस्ट, इस अक्सर झूठ पकड़ने वाला कहा जाता है, पूरी तरह से सटीक नहीं होता। यह दरअसल किसी व्यक्ति के शरीर में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, जैसे दिल की धड़कन, रक्तचाप, सांस लेने की दर और पसीने को मापता है। ये परिवर्तन आमतौर पर तब होते हैं जब व्यक्ति तनाव में होता है या झूठ बोल रहा होता है। टेस्ट की शुरुआत एक प्री-टेस्ट इंटरव्यू से होती है, जहाँ परीक्षक आरोपी से बातचीत कर केस और प्रक्रिया समझाता है। इसके बाद, आरोपी के शरीर पर कई सेंसर लगाए जाते हैं, जो इन शारीरिक प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करते हैं। इस डेटा का विश्लेषण कर परीक्षक यह अनुमान लगाता है कि क्या व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ। सिया गोयल के पॉलीग्राफी टेस्ट से पुलिस को इस जटिल मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे केतन अग्रवाल की मौत का सच सामने आ सकता है।

एटा में दर्दनाक तिहरा सड़क हादसा, 5 की मौत, दर्जनभर घायल

- खड़ी बस से टकराए दो वाहन; सीएम योगी ने लिया संज्ञान, जांच शुरू

(एजेंसी)। एटा जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि करीब दर्जनभर लोग घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा बागवाला थाना क्षेत्र के कीलर मऊ के पास हुआ, जब सड़क किनारे खराब खड़ी रोडवेज बस से एक कैंटर और उसके बाद एक सीएनजी टैंकर टकरा गए। जानकारी के अनुसार, एटा डिपो की एक बस खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान, पीछे से तेज गति से आ रहे एक कैंटर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कुछ ही पल बाद, एक सीएनजी टैंकर भी इन वाहनों से जा भिड़ा, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। इस खौफनाक तिहरे हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को तत्काल राहत-बचाव कार्य के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सीएनजी टैंकर होने के चलते दमकल विभाग ने स्थिति को सुरक्षित किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और मृतकों की पहचान स्थापित की जा रही है। रास्ते को क्लियर कर दिया गया है।

मुरादाबाद रामकुंवर हत्याकांड: 3 दोषियों की उम्रकैद बरकरार, 15 दिन में करना होगा सरेंडर

मुरादाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद के बहुचर्चित रामकुंवर हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने तीनों दोषियों बलिस्टर, महेश और नरेश की अपीलें खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्ट अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि करते हैं। खंडपीठ ने तीनों दोषियों को 15 दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएंगे। यह सनसनीखेज वारदात 27 सितंबर 1987 की रात मुरादाबाद के थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव बसेरा में हुई थी। मंदिर से अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे राम कुंवर को अभियुक्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को घसीटते हुए जंगल ले गए तथा सिर धड़ से अलग कर दिया। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह महेश की बहन को भगाने को लेकर रामकुंवर के खिलाफ दर्ज कराया गया पुराना मुकदमा था। बचाव पक्ष ने एफआईआर में देरी और गवाहों के रिश्तेदार होने का हवाला देकर बरी किए जाने की मांग की, लेकिन हाई कोर्ट ने पाया कि प्राथमिकी घटना के साढ़े चार घंटे के भीतर दर्ज हुई थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल रिश्तेदार होने के आधार पर गवाही खारिज नहीं की जा सकती। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज कर दिया।

सोनमर्ग अटल टनल के पास सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 6 जवान घायल

-घायल जवानों का अस्पताल में इलाज जारी, हादसे के कारणों की जांच शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग अटल टनल के पास शुक्रवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सड़क से फिसलकर वाहन पलट जाने से उसमें सवार छह जवान घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के निकट से गुजर रहा था। इसी दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सुरक्षा बलों और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया तथा घायल जवानों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय और संवेदनशील मार्ग होने के कारण यहां मौसम और सड़क की परिस्थितियां अक्सर चुनौतीपूर्ण रहती हैं।

बेंगलुरु डे-केयर केस: वीडियो में मासूमों को टॉर्चर करने वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में मासूमों के साथ बर्बरता के चर्चित डे-केयर मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने विजयलक्ष्मी नामक महिला को गिरफ्तार किया है, जो वायरल वीडियो फुटेज में बच्चों को अमानवीय रूप से प्रताड़ित करती दिख रही थी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे गुरुवार को पेश नहीं हुए।

यह गंभीर मामला ब्रुकफील्ड इलाके में स्थित प्रतिष्ठित आईटी कंपनी कैपजेमिनी के कैंपस के भीतर चल रहे डे-केयर सेंटर से जुड़ा है। यहां दो से तीन साल के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो व्हाट्सएप पर वायरल होने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन तक पहुंचे, जिसके बाद यह क्रूरता उजागर हुई। वीडियो में बच्चों को रोते हुए और उनके साथ मारपीट करते हुए साफ देखा जा सकता है।

शिकायत के अनुसार, रोते हुए बच्चों को चुप कराने के लिए कई अमानवीय तरीके अपनाए गए। आरोप है कि बच्चों को जबरन वॉशिंग मशीन के अंदर बिठाया गया, वेस्टर्न टॉयलेट में बैठाकर जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी डाला गया, और उन्हें बाथरूम में बंद कर चुप रहने की धमकी दी गई। यह सब देखकर बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

इस मामले में डे-केयर की पांच महिला कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस शहर के अन्य डे-केयर सेंटरों की जांच कर रही है कि क्या वे निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है।

इस घटना के सामने आने के बाद कैपजेमिनी ने अपने बेंगलुरु कैंपस का डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद किया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रही है। एक डिप्टी कमिश्नर रैंक की महिला अधिकारी मामले की जांच का नेतृत्व कर रही हैं। पुलिस ने साफ किया है कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच जारी है।

सलमान खान फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई ने कोर्ट में किया सरेंडर का आवेदन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कथित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने विशेष अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले में स्वेच्छा से सरेंडर करने और न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताई है। फिलहाल अनमोल बिश्नोई एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। अनमोल बिश्नोई के वकीलों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में इस मामले में स्वेच्छा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है तथा चल रही न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है। चूंकि वह पहले से ही एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है, इसलिए वह स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हो सकता।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ: राम भक्तों की भावनाएं आहत, दोषियों को मिले कड़ी सजा

यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दान पात्रों से चढ़ावा चोरी होने के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना से करोड़ों राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की अपील की है।

संघ ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतिफल है। यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र है। इसके बाद दानपात्रों से राशि की चोरी जैसी घटना अत्यंत निंदनीय और दुखद है, इस घटना ने आरएसएस सहित समूचे समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। संघ नेता होसबाले ने कहा कि जांच में जो भी दोषी मिले, उन्हें निश्चित रूप से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। संघ ने एक असाधारण मामला मानकर मांग की है कि मंदिर की व्यवस्था और प्रबंधन में जो भी कमियां हैं, उन्हें तुरंत दूर करे। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राम मंदिर के दान से जुड़ी ऐसी गंभीर घटना को हल्के में न लिया जाए। संघ का मानना है कि लोगों के बीच व्याप्त भ्रम और सवालों का खत्म होना जरुरी है, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन और एसआईटी दोनों को मिलकर सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। संघ ने वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता और उचित संचालन पर जोर दिया ताकि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर हिंदू समाज का भरोसा बना रहे।

गौरतलब है कि बीते दिनों राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था, जिसमें मंदिर के अंदरूनी व्यवस्था से जुड़े कई लोग शामिल मिले। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव सहित कुल आठ लोगों को मामले में गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में मंदिर में दान की गणना करने वाले लोग भी शामिल हैं। संघ के बयान के बाद उम्मीद है कि मामले की जांच और भी तेजी से आगे बढ़ेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आरोपी लवकुश के नाना की धमकी... हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर

-आरोपी की मां ने कहा, मेरे बेटे को फंसाया जा रहा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे है। इस मामले में आठ आरोपियों में से एक लवकुश मिश्रा के घर से हाल ही में पुलिस ने 14.25 लाख नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद लव कुश के नाना जगदंबा प्रसाद ने पुलिस और योगी सरकार को सीधा चुनौती देकर कहा, हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर।

आरोपी के नाना प्रसाद ने बरामद नकदी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस से तलाशी का रिकॉर्ड मांगा है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके घर में, जहां सूखे चारे और कंडों के ढेर में तलाशी ली गई, इतनी बड़ी रकम कैसे मिल सकती है। उन्होंने अपने नाती लव कुश को निर्दोष बताया, जो गाड़ी के शीशे का काम करता था। जगदंबा प्रसाद ने अपने घर की पूरी रजिस्ट्री होने का दावा कर कहा कि वे सरकार और मंदिर ट्रस्ट से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सब बेकार रहा। इधर, लव कुश की मां ने भी अपने बेटे को निर्दोष बताकर आरोप लगाया कि सुपुत्र को फंसाया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 14.25 लाख नकद लव कुश के घर में अलमारी और गोबर के ढेर के नीचे छिपाए गए थे। छापेमारी में अहम दस्तावेज और जमीन की रजिस्ट्री के कागजात भी बरामद हुए। जांच में सामने आया कि राम मंदिर ट्रस्ट में 12,000 से 15,000 की मासिक नौकरी करने वाले लव कुश ने अपनी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर अयोध्या में एक कीमती जमीन खरीदी थी।

इसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सुप्रिया मिश्रा के नाम पर बन रही बिल्डिंग को लेकर नोटिस जारी किया है, जिसमें निर्माण में नियमों के उल्लंघन का आरोप है। एडीए ने एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है और जवाब न मिलने पर ध्वस्तीकरण सहित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यह पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज की जांच और चढ़ावे की गिनती में अनियमितताएं सामने आने के बाद उजागर हुआ था। मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरक्षाकर्मी सहित उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है, और चोरी की गई नकदी व अन्य कीमती सामान बरामद करने का दावा किया है। इस घटना के बाद राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और चढ़ावे के ऑडिट सिस्टम को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

विस चुनाव में टिकट को लेकर होने लगे दो-दो हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता कराने में कुछ सफलता पाई हो, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फंसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ा सियासी तूफान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं।

सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बनाए रखने की हरी झंडी देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटियों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

कांग्रेस आलाकमान का यह फैसला काफी गहन विचार-विमर्श के बाद आया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय पैनल ने करीब 66 वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनकी राय ली थी। ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि पार्टी के एक बड़े धड़े का मानना था कि वारिंग को बदला जाना चाहिए, वहीं वारिंग के समर्थन में भी कई नेता थे। इस सबके बीच, जाट सिख समुदाय के कम से कम 30 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे एक दलित सिख नेता के रूप में चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर सकें। जैसे ही चन्नी खेमे ने दबाव बनाना शुरू किया, दूसरे गुट भी सक्रिय हो गए। नवंबर 2025 में नियुक्त किए गए अधिकांश जिला अध्यक्षों ने राजा वारिंग का समर्थन किया। दूसरी तरफ, दो बड़े जाट सिख नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाथ मिला लिया ताकि चन्नी को इस पद से दूर रखा जा सके। चन्नी विरोधी खेमे ने तो यहां तक प्रस्ताव दे दिया था कि अगर चन्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एक तर्क यह भी दिया गया कि चुनाव से कुछ महीने पहले वारिंग को हटाना गलत संदेश देगा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ईरान प्रतिनिधिमंडल पर राजनीति से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत से प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर हो रही राजनीतिक बयानबाजी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने एक सामान्य बात बताकर बेवजह राजनीति न करने की सलाह दी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्वीकार किया कि इतने वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता के निधन पर और ऊंचे स्तर पर शोक जताया जा सकता था और किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने तुरंत जोड़ा कि ऐसी स्थिति में हमेशा उन दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान दिखाना महत्वपूर्ण है जो इतने महत्वपूर्ण पद पर थे। उन्होंने इसकी पुष्टि की कि भारत से एक प्रतिनिधिमंडल ईरान गया है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इस तरह के आयोजनों को वैश्विक कूटनीति का एक सामान्य हिस्सा बताया। उन्होंने मदर टेरेसा के अंतिम संस्कार और राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत आए विश्व भर के नेताओं का उदाहरण देकर कहा, यह सामान्य बात है। दुनिया भर के देशों का शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। थरूर की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो ईरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि इसतरह के अवसर राष्ट्रीय सम्मान और राजनयिक परंपरा का हिस्सा होते हैं, जिन पर अनावश्यक विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

मानसून सत्र में आ सकता है भ्रष्टाचार-रोधी संविधान संशोधन विधेयक

-जेपीसी 17 जुलाई को दे सकती है रिपोर्ट, विपक्ष ने प्रस्तावित प्रावधानों पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में भ्रष्टाचार-रोधी प्रावधानों से जुड़े प्रस्तावित संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे बढ़ा सकती है। इस विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट 17 जुलाई को मंजूर होने की संभावना है। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों पर विचार कर विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रख सकती है और फिर संसद में पेश किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह विधेयक पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया था। प्रस्तावित प्रावधानों के तहत यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को ऐसे मामले में गिरफ्तार किया जाता है, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान हो, और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसके पद पर बने रहने से जुड़े प्रावधान लागू हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी विधेयक के मूल उद्देश्य को बरकरार रखते हुए उसके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की सिफारिश कर सकती है। समिति यह भी स्पष्ट करने की सिफारिश कर सकती है कि ये प्रावधान केवल गंभीर आपराधिक मामलों पर ही लागू हों, ताकि किसी निर्दोष जनप्रतिनिधि को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े।

रिपोर्ट के अनुसार संसदीय समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी का कहना है, कि विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण रोकना और संवैधानिक नैतिकता को मजबूत करना है। उनके अनुसार, समिति के समक्ष आए अधिकांश सुझाव सकारात्मक रहे हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि केवल न्यायिक हिरासत के आधार पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को पद से हटाने का प्रावधान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और संघीय ढांचे के विपरीत हो सकता है। उनका कहना है कि दोषसिद्धि से पहले ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा सकता है। जेपीसी में गैर-एनडीए दलों के कुछ सदस्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और अन्य विपक्षी नेताओं का तर्क है कि नए आपराधिक कानूनों के तहत लंबी न्यायिक हिरासत की संभावना को देखते हुए इस प्रकार का प्रावधान निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का माध्यम बन सकता है। बहरहाल यदि जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट सौंप देती है, तो प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक संसद के संभावित 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के प्रमुख विधायी एजेंडों में शामिल हो सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**